www.tamsasanket.com
वर्षः 29|| अंक 49||अम्बेडकरनगर
रविवार
10 मई 2026|| पृष्ठः 08|| मूल्यः 2 ₹
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:22
सूर्यास्तः 06:44
अधिकतमः 36°00
न्यूनतमः 26°00

पेज 07

विशेष समाचार | महिला आरक्षण पर ... >>पेज 04 | टिकट मांगने पर भड़के ... >>पेज 06 | 34 की हुई साई पल्लवी...

सुवेंदु बंगाल में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री

दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदीराम टूडू, निषिथ प्रमाणिक मंत्री बने, बांग्ला में शपथ ली

सुवेंदु राज

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। सुवेंदु अधिकारी शनिवार को पश्चिम बंगाल में BJP के पहले मुख्यमंत्री बन गए। सुवेंदु ने बांग्ला में ईश्वर के नाम की शपथ ली। शपथ के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री को झुककर प्रणाम किया। सुवेंदु के साथ 5 और विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। इनमें दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदीराम टूडू और निषिथ प्रमाणिक शामिल रहे। कार्यक्रम में PM मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, शिवराज सिंह चौहान समेत कई केंद्रीय मंत्री मौजूद थे। NDA और BJP शासित राज्यों के 20 मुख्यमंत्री भी कार्यक्रम में पहुंचे। PM रोड शो करते हुए कार्यक्रम में पहुंचे, मंच पर रवींद्रनाथ टैगोर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद वे भाजपा के 98 साल के कार्यकर्ता माखनलाल सरकार के पास गए, उन्हें शॉल ओढ़ाया और पैर छुए। मुख्यमंत्री और मंत्रियों की शपथ पूरी होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने मंच से घुटनों के बल झुककर बंगाल की जनता को प्रणाम किया। पश्चिम बंगाल के CM सुवेंदु अधिकारी ने जोरासांको ठाकुरबाड़ी में श्रद्धांजलि दी। इसके बाद मीडिया के सामने एक गीत गाया। जैसे ही सुवेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली, उनके पिता शिशिर कुमार अधिकारी ने कहा, ?हमने नंदीग्राम की लड़ाई लड़ी और उस संघर्ष की अगुआई सुवेंदु ने की थी। बार-बार, अलग-अलग तरीकों से उन्हें पीछे धकेलने की कोशिशें की गईं, लेकिन आज आम लोगों को भी जीत मिली है। यह सिर्फ नंदीग्राम की बात नहीं है।

>> (शेष पेज 06 पर)

सुवेंदु बंगाल के अधिकारी

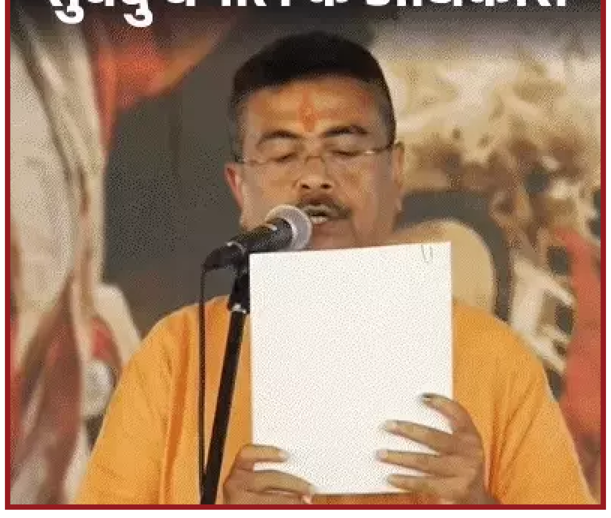

माखनलाल सरकार 82 साल से आरएसएस से जुड़े

पीएम मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार के शपथ समारोह में 98 साल के कार्यकर्ता माखनलाल सरकार से मुलाकात की। मोदी ने मंच पर पहुंचते ही माखनलाल को गले लगाया, अभिवादन किया और उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया। माखनलाल बंगाल के सबसे बुजुर्ग भाजपा कार्यकर्ता हैं। 74 साल पहले 1952 में वे जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ कश्मीर में तिरंगा फहराने के आंदोलन में भी शामिल हुए। उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। माखनलाल सरकार 16 साल की उम्र में राष्ट्रीय स्वयं सेवर संघ (RSS) में शामिल हुए थे। वे 82 साल से RSS के कार्यकर्ता हैं। वे आजादी के बाद राष्ट्रवादी आंदोलन में भी शामिल रहे।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने सुवेंदु को सीएम बनने पर बधाई दी

बांग्लादेश अवामी लीग की अध्यक्ष और बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (BJP) की जीत के बाद मुख्यमंत्री बनने पर सुवेंदु अधिकारी को बधाई दी। शेख हसीना, फिल्हाल भारत में ही शरण लिए हुए हैं।

सिलीगुड़ी में भाजपा को खड़ा किया, एक साल में 10 हजार नए सदस्यों को जोड़ा

- भाजपा के गठन के बाद 1980 में माखनलाल सरकार को पश्चिम दिनाजपुर, जलपाईगुड़ी और दार्जिलिंग जिलों का संगठनात्मक समन्वयक बनाया गया। वे संगठन की सिलीगुड़ी जिला शाखा के संस्थापक अध्यक्ष रहे हैं। उन्होंने सिलीगुड़ी में गो-हत्या बंद कराई।
- 1981 से लगातार सात साल तक वे जिला अध्यक्ष रहे। उस दौर में किसी नेता का लंबे समय तक एक ही संगठनात्मक पद पर बने रहना बड़ी उपलब्धि माना जाता था।
- एक साल में 10 हजार नए सदस्यों को संगठन से जोड़ा। सिलीगुड़ी सीट पर उन्होंने ही शंकर घोष की उम्मीदवारी का फैसला किया था। वे कहते हैं- अगर मैं ऐसा नहीं करता तो सिलीगुड़ी में भाजपा की जीत संभव नहीं थी।
- भाजपा आज जिस "बंगाल निर्माण" की बात करती है, उस सपने को माखनलाल सरकार ने दशकों पहले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ मिलकर देखा था।

गडकरी बोले- बंगाल में बीजेपी की विचारधारा को पहचान मिली; विकास होगा

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को नागपुर में कहा कि पश्चिम बंगाल में BJP की शानदार जीत दिखाती है कि पार्टी की विचारधारा को अब वहां के लोगों के बीच पहचान मिल गई है।राज्य में सत्ता परिवर्तन बंगाल के विकास का रास्ता बनाएगा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री गडकरी पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में सुवेंदु अधिकारी के शपथ समारोह में शामिल होने से पहले एजेंसी से बात कर रहे थे। BJP ने हाल ही में हुए चुनावों में 294 सदस्यों वाली पश्चिम बंगाल विधानसभा में 207 सीटें हासिल कीं, जिससे तृणमूल कांग्रेस (TMC) का 15 साल का शासन खत्म हो गया और पूर्वी भारत में उसकी सबसे बड़ी सफलता की कहानी लिखी। भवानीपुर विधानसभा सीट पर TMC सुप्रीमो ममता बनर्जी को हराने वाले सुवेंदु अधिकारी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के पहले BJP मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली।

कांथी में सुवेंदु के पड़ोस में रहने वाले शख्स ने कहा- शुरू से ही, सुवेंदु अधिकारी हमेशा अपने साथियों और दोस्तों के साथ एकजुट होकर खड़े रहे हैं, और हमेशा मदद के लिए तैयार रहे हैं। सुवेंदु अधिकारी में यह खूबी है कि वे कभी अपना अतीत नहीं भूलते और हमेशा प्यार से मदद करते हैं।

शपथ के बाद एयरपोर्ट पर 7 राज्यों के सीएम, विक्ट्री साइन दिखाया

शपथ के बाद हरियाणा CM नायब सैनी, बिहार CM सम्राट चौधरी, उत्तराखंड CM पुष्कर सिंह धामी, दिल्ली CM रेखा गुप्ता, सिक्किम के CM प्रेम सिंह तमांग, अरुणाचल के CM पेमा खांडू और मेघालय CM कॉनराड संगमा ने एयरपोर्ट पर नजर आए। उन्होंने विक्ट्री साइन दिखाया।

चुनावी हिंसा में मारे गए भाजपा कार्यकर्ताओं के परिवार से मिले पीएम

शपथ ग्रहण के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा के दिवंगत कार्यकर्ताओं देबाशीष मंडल, सौमित्र घोषाल और आनंद पॉल के परिवारों से मुलाकात की।

दिल्ली में आतंकी हमले का अलर्ट

इंटेलिजेंस बोली- गोलीबारी और आत्मघाती हमला भी हो सकता है

- दिल्ली में भाजपा मुख्यालय और आसपास की सरकारी इमारतों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। इंटेलिजेंस एजेंसियों ने दिल्ली में आतंकी हमले का अलर्ट जारी किया है। न्यूज एजेंसी PTI ने सूत्रों के आधार पर यह जानकारी दी है। एजेंसी के मुताबिक, भाजपा मुख्यालय और आसपास की सरकारी इमारतों की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। एजेंसियों को शक है कि दीन दयाल उपाध्याय (DDU) मार्ग स्थित कार्यालयों को आत्मघाती हमलों, कार ब्लास्ट, गोलीबारी या IED के जरिए निशाना बनाया जा सकता है। किसी भी खतरे को टालने के लिए सुरक्षा बलों ने निगरानी और एहतियाती कदम बढ़ा दिए हैं। पुलिस और सुरक्षा बलों ने अतिरिक्त जवानों की तैनाती, चेकिंग और सीसीटीवी निगरानी बढ़ा दी है।

>> (शेष पेज 06 पर)

पंजाब के आप मंत्री मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार

ईडी टीम अरोड़ा को चंडीगढ़ से दिल्ली ले गई

पूछताछ

तमसा संकेत, एजेंसी

वेद/मुनीष, चंडीगढ़/लुधियाना। केंद्रीय जांच एजेंसी ED ने पंजाब की आम आदमी पार्टी (AAP) सरकार के मंत्री संजीव अरोड़ा को मनी लॉन्ड्रिंग के केस में गिरफ्तार कर लिया है। शनिवार सुबह हुई रेड के वक्त वह चंडीगढ़ के सेक्टर 2 स्थित अपनी सरकारी कोठी पर ही थे। इसके बाद करीब 10 घंटे की पूछताछ की गई। जिसके बाद शाम करीब 5 बजे ED की टीम चंडीगढ़ और हरियाणा नंबर की गाड़ियों में उन्हें दिल्ली ले गई। आगे की पूछताछ उनसे दिल्ली में ही होगी। उनकी रात ED के लॉकअप में बीतेगी। ED ने शनिवार सुबह ही मंत्री अरोड़ा पर रेड चंडीगढ़ में उनके सरकारी घर, दिल्ली और गुरुग्राम के 5 ठिकानों में हुई है। ED ने खुलासा किया कि अरोड़ा ने अपनी फर्मों के जरिए मोबाइल खरीद की करीब 157.12 करोड़ रुपए की फर्जी बिक्री और शेल कंपनियों के माध्यम से फर्जी एक्सपोर्ट किए।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

अग्नि की एडवांस मिसाइल का सफल परीक्षण

भुवनेश्वर। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने शुक्रवार को ओडिशा के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम मिसाइल परीक्षण सेंटर से अग्नि मिसाइल का सफल परीक्षण किया। DRDO ने शनिवार को यह जानकारी दी। इस मिसाइल में मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेड री-एंट्री व्हीकल (MIRV) सिस्टम लगाया गया है।

देश में 70 साल में 20 लाख अपहरण

नई दिल्ली। भारत में अपहरण और जबरन उठा ले जाने की घटनाएं पिछले एक दशक में अप्रत्याशित रूप से बढ़ी हैं। हाल ही में भोपाल में एक आईएएस एकेडमी की निदेशक के अपहरण और 1.89 करोड़ रुपए की फिरौती के मामले ने देश में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आधिकारिक आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि वर्ष 1953 से 2024 के बीच देश में कुल 20 लाख से अधिक ऐसे मामले दर्ज किए गए। चौंकाने वाला तथ्य यह है कि इन सात दशकों के कुल मामलों का 54% हिस्सा (11.24 लाख केस) केवल पिछले 11 वर्षों (2013–2024) में दर्ज हुआ है।

रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि नए सीडीएस होंगे

नई दिल्ली। रिटायर लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि देश के अगले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) होंगे। केंद्र ने शनिवार को इसका ऐलान किया। सुब्रमणि रक्षा मामलों के विभाग के सचिव की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। सरकार ने वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को अगला नौसेना प्रमुख नियुक्त किया है।

ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्रोफाइल के बायो बदले

मुख्यमंत्री की जगह 15वीं, 16वीं, 17वीं विधानसभा का सीएम और टीएमसी फाउंडर लिखा

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनते ही पूर्व सीएम ममता बनर्जी ने शनिवार को सोशल मीडिया हैंडल के बायो बदल दिए। उन्होंने फेसबुक, इंस्टाग्राम और X के बायो में लिखा- 'फाउंडर चेयरपर्सन ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस और 15वीं,16वीं,17वीं विधानसभा की मुख्यमंत्री।' इससे पहले उनके बायो में फाउंडर चेयर-पर्सन ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस, ऑनरेबल चीफ मिनिस्टर, पश्चिम बंगाल लिखा था। बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बावजूद ममता ने मुख्यमंत्री पद छोड़ने के इनकार कर दिया। ममता ने इस्तीफा नहीं दिया। 7 मई को पश्चिम बंगाल की 17वीं विधानसभा का कार्यकाल खत्म हो गया है। इसके बाद राज्यपाल आरएन रवि ने विधानसभा भंग कर दी थी 2021 में 17वीं विधानसभा का चुनाव जीतकर ममता बनर्जी तीसरी बार मुख्यमंत्री बनीं थीं। वे 2011 से लगातार सत्ता में रहीं। हालांकि, अप्रैल 2026 में हुए विधानसभा चुनाव में उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा है। ममता बनर्जी को भी भवानीपुर सीट पर हार का सामना करना पड़ा। 2026 विधानसभा चुनाव में भाजपा ने बड़ी जीत हासिल की है। भाजपा ने कुल 293 विधानसभा सीटों में से 207 सीटें जीतीं। जबकि तृणमूल 80 सीटों तक ही सिमट गई। बंगाल में भाजपा ने 293 में से 206 सीटें जीतकर करीब 70% का स्ट्राइक रेट हासिल किया।

ममता का फेसबुक प्रोफाइल अब :

ममता का एक्स हैंडल पहले :

लखनऊ में सीएम योगी आदित्यनाथ ने खेला बैडमिंटन

खेल मैदान अनुशासन, संकल्प और राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी पाठशाला : योगी

- सीएम योगी का प्रतीक चिह्न देकर स्वागत किया गया।
- सीएम योगी ने बैंड वालों को सम्मानित किया।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा आयोजित द्वितीय अखिल भारतीय पुलिस बैडमिंटन क्लस्टर (बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस) 2025-26 प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। कार्यक्रम बाबू बनारसी दास यू.पी. बैडमिंटन अकादमी में आयोजित किया गया।

>> (शेष पेज 06 पर)

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "फिट इंडिया" विजन को उत्तर प्रदेश में प्रभावी तरीके से लागू किया जा रहा है। सांसद खेलकूद प्रतियोगिताओं समेत विभिन्न खेल आयोजनों के माध्यम से युवाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास हो रहा है।

खेल मैदान सबसे बड़ी पाठशाला : योगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल मैदान वह स्थान है जहां अनुशासन का वह पाठ सीखने को मिलता है जो पुस्तकों में भी कठिन होता है। खेल व्यक्ति को संकल्प, समर्पण और चुनौतियों से लड़ने के लिए तैयार करते हैं। उन्होंने कहा कि मेहनत में जितना अधिक पसीना बहता है, सफलता उतनी ही बड़ी मिलती है। खेल युवाओं को आपदा और विपरीत परिस्थितियों से लड़ने की ताकत भी देते हैं।

1400 खिलाड़ी ले रहे हिस्सा

सीएम योगी ने कहा कि पांच दिवसीय इस प्रतियोगिता में देशभर से पुलिस और पैरामिलिट्री बलों के लगभग 1400 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों और अधिकारियों का उत्तर प्रदेश की धरती पर स्वागत करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर से ही स्वस्थ मस्तिष्क और मजबूत राष्ट्र का निर्माण संभव है।

निरीक्षण : डीएम-एसपी ने मस्जिद और ईदगाह का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्थाएं परखी

त्योहारों को लेकर प्रशासन अलर्ट

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। आगामी त्योहारों को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस विभाग पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। शनिवार को जिलाधिकारी ईशा प्रिया और पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने थाना अलीगंज क्षेत्र के तलवापार और हंस तिराहा स्थित मस्जिद एवं ईदगाह का निरीक्षण कर सुरक्षा और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मौके पर मौजूद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से तैयारियों की जानकारी ली। दोनों अधिकारियों ने संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। साथ ही त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल की सक्रिय मौजूदगी सुनिश्चित करने को कहा। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि संवेदन-शील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जाए और गश्त बढ़ाई जाए। उन्होंने त्योहारों के दौरान लोगों से सौहार्द और भाईचारे का माहौल बनाए रखने की अपील भी की।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिए जरूरी निर्देश

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि त्योहारों के दौरान साफ-सफाई, यातायात और भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था बेहतर रखी जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी नजर रखी जाए।

मस्जिद और ईदगाह परिसर का लिया जायजा

प्रशासन की ओर से यह भी कहा गया कि त्योहारों के दौरान किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई की जाए। साथ काम करने के निर्देश दिए गए हैं।

अधिकारियों की मौजूदगी में हुई समीक्षा

निरीक्षण के दौरान स्थानीय प्रशासन और पुलिस विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने क्षेत्र की स्थिति का जायजा लेने के साथ सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े आवश्यक बिंदुओं पर चर्चा की।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मस्जिद और ईदगाह परिसर का भ्रमण कर वहां की व्यवस्थाओं को देखा। प्रवेश और निकास मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था तथा भीड़ नियंत्रण से जुड़े बिंदुओं की भी समीक्षा की गई। संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूरी करने के निर्देश दिए गए।

विजय तमिलनाडु सीएम आज पद की शपथ ले सकते हैं

राज्यपाल को 121 एमएलए के समर्थन का लेटर दिया

तमसा संकेत, संवाददाता

चेन्नई। तमिलनाडु में TVK चीफ सी. जोसेफ विजय रविवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। न्यूज एजेंसी ANI के सूत्रों के अनुसार, चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में दोपहर 3:15 बजे शपथ ग्रहण समारोह होगा। विजय ने शनिवार को राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से लोकभवन में मुलाकात की और सरकार बनाने के लिए 121 विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा। बहुमत साबित करने के लिए 118 विधायकों की जरूरत थी। 4 मई को आए चुनाव परिणाम में विजय की पार्टी को सबसे ज्यादा 108 सीटें मिली थीं। लेकिन यह बहुमत से 10 कम थीं। TVK को कांग्रेस के 5, CPI और CPI(M) के 2-2 विधायकों का समर्थन 8 मई तक मिल चुका था। शनिवार को VCK और IUML ने TVK को अपने 2-2 विधायकों का समर्थन दिया। इधर, महाबलीपुरम स्थित फोर पॉइंट्स रिसॉर्ट के बाहर भारी सुरक्षा तैनात की गई है। यहां TVK के सभी विधायक ठहरे हुए हैं। तमिलनाडु में सरकार बनने का रास्ता साफ होते ही, टीवीके कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। TVK के कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने चेन्नई स्थित पार्टी मुख्यालय के बाहर पटाखे फोड़े।

चारबाग स्टेशन पर कार्यकर्ताओं का हंगामा, यूजीसी के नए नियमों के समर्थन में नारेबाजी

ट्रेन के इंजन पर चढ़ीं पल्लवी पटेल

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में सिराथू विधायक पल्लवी पटेल ने शनिवार को करीब 2 हजार कार्यकर्ताओं के साथ चारबाग रेलवे स्टेशन पर प्रदर्शन किया। पल्लवी यूजीसी के नए नियमों को लागू करने की मांग कर रही थीं। फिलहाल इन पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा रखी है। पल्लवी की पार्टी अपना दल कमेरावादी के कार्यकर्ता दोपहर 12.30 बजे चारबाग में इकट्ठा हुए। यहां से विधानसभा कूच करने की तैयारी करने लगे। वे सब जैसे ही बढ़े तो पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया। इससे गुस्साए कार्यकर्ता रेलवे स्टेशन की तरफ भागे। स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर पहुंचकर पल्लवी और कार्यकर्ता नारेबाजी करने लगे। इस दौरान कुछ कार्यकर्ता रेलवे ट्रैक पर उतर गए। ट्रैक पर खड़े इंजन पर चढ़ने लगे। देखते ही देखते

पल्लवी भी इंजन पर चढ़ गईं। नारेबाजी करने लगी। करीब डेढ़ घंटे तक यानी दोपहर 2 बजे तक स्टेशन पर हंगामा होता रहा। काफी देर तक पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को समझाने की कोशिश की। बाद में प्रदर्शनकारियों को घसीटकर बस में भरा और इको गार्डन भेज दिया। प्रदर्शन कर रहे अनिल राज कोरी ने कहा- पहले हम लोगों ने बस रोकी थी। आज रेल रोकी है। अगर जरूरत पड़ी तो हवाई जहाज भी रोकेंगे। एयरपोर्ट पर ताला लगा देंगे। दलित, पिछड़ा, आदिवासी, सबको वोट करता है, मगर कोई भी उसके अधिकार के लिए सामने नहीं आता। हम लोग मुकदमों से नहीं डरते, मुकदमा हमारे लिए मेडल की तरह है।

- पल्लवी पटेल नारेबाजी करते हुए ट्रेन के इंजन के ऊपर चढ़ गईं।
- चारबाग में अपना दल कमेरावादी के कार्यकर्ता पार्टी के झंडे लेकर पहुंचे थे।
- सैकड़ों कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस ने बड़ी-बड़ी बैरिकेडिंग की।

पल्लवी के कार्यकर्ताओं को पुलिस हिरासत में ले रही है

पल्लवी के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लेना शुरू कर दिया है। एक-एक कर सबको बस में बैठाकर इको गार्डन भेजना शुरू कर दिया है। अचानक बड़ी लाइन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर सभी कार्यकर्ता पहुंच गए। उस समय वहां से एक इंजन धीरे-धीरे गुजर रहा था। सब उसे रुकवाकर उसके ऊपर चढ़ गए। हम सरकार को बताना चाहते हैं कि 2 अप्रैल 2018 दोहराने पर हमें मजबूर ना किया जाए।

> पल्लवी पटेल ने कहा- यूजीसी को हम लागू करवा कर रहेंगे। लगातार सड़कों पर उतरकर संघर्ष कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे।

पल्लवी चारबाग से विधानसभा की ओर जाने के दौरान पुलिस से भिड़ीं।

वोट सबको करते हैं, अधिकार के लिए कोई सामने नहीं आता

प्रदर्शन कर रहे अनिल राज कोरी ने कहा कि हम लोगों ने बस रोकी थी। आज रेल रोकी है। अगर जरूरत पड़ी तो हवाई जहाज रोकेंगे और एयरपोर्ट पर ताला लगा देंगे। दलित, पिछड़ा, आदिवासी, सबको वोट करता है, मगर कोई भी उसके अधिकार के लिए सामने नहीं आता। आज हमने यूजीसी लागू करने की मांग को लेकर अपने नेता पल्लवी पटेल के साथ रेल रोकी। यह जो दमनकारी सरकार और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं, अगर हमें रोक पाएं तो रोककर दिखा दें। तब उस पर मुकदमे दर्ज होते हैं। बहुजन समाज जाग चुका है। हम सरकार को बताना चाहते हैं कि 2 अप्रैल 2018 दोहराने पर हमें मजबूर ना किया जाए।

लोकतंत्र बचाने के लिए 'मल्टीलेयर इलेक्शन माफियाओं' से लड़ना होगा: अखिलेश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि लोकतंत्र और संविधान बचाने के लिए समाजवादियों को मल्टीलेयर इलेक्शन माफियाओं से लड़ना है। चुनाव में मल्टीलेयर चुनाव माफिया काम कर रहे हैं। संवैधानिक संस्थाओं की साख बचाने लिए हम सबको मिलकर इनसे मुकाबला करना है। श्री यादव ने कहा कि भाजपा नकारात्मक और समाज में दरारवादी पार्टी है। समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की मांग है, जब अमेरिका, इंग्लैण्ड, जर्मनी में वोट बैलेट से पड़ता है तो यहां भी वोट बैलेट से पड़े। समाजवादी पार्टी ने सबको साथ लेकर लोकसभा चुनाव में भाजपा को ईवीएम से हराया है। समाजवादी पार्टी फिर भाजपा को ईवीएम से हराकर ईवीएम को हटाने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि साल लगे या सदी हम ईवीएम को हटाकर रहेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार

स्मार्ट मीटर से जनता का जेब काट रही है। बिजली नहीं आती लेकिन स्मार्ट मीटर चलता रहता है। पता चला है कि स्मार्ट मीटर को रिमोट से भी चलाया जा सकता है। जब स्मार्ट मीटर से बेईमानी हो रही है तो ईवीएम से क्यों नहीं हो सकती है? श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा के अनरजिस्टर्ड संगी-साथियों, जिन्होंने जीवन भर खुफियागीरी की, उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने सबको साथ लेकर पीडीए की ताकत से लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराया है। अब विधानसभा चुनाव में भी भाजपा को हरायेगी। श्री यादव ने कहा कि 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव में भाजपा ने साजिश कर वोटरों का नाम डिलीट किया गया था।

फास्ट न्यूज़

'लखनऊ से अवैध बंग्लादेशी हटाए जाएं

लखनऊ। लखनऊ मेयर ने शनिवार सुबह शहर के कई जोन में साफ-सफाई का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जोन-4 स्थित निशातगंज पेपर मिल कॉलोनी के पास अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों को तत्काल हटाने के निर्देश दिए। जोन-4 में ही वेंडिंग जोन पहुंचीं तो वहां गंदगी दिखीं। यह देखते ही वह गुस्से में भड़क गईं। उन्होंने मौके पर मौजूद नगर निगम के अधिकारियों को फटकार लगाई।

5 महीने की प्रेग्नेंट महिला ने किया सुसाइड

लखनऊ। लखनऊ के विकास नगर इलाके में विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। पति ने कॉल करके लड़की के भाई को फांसी लगाकर आत्महत्या करने की जानकारी दी। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है दूसरी महिला से संबंध हो जाने का लड़की विरोध करती थी। जिसके चलते उसकी हत्या कर दी। परसपुर गोंडा निवासी नायब सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बेटी साक्षी सिंह का शादी घुंघटेर बाराबंकी निवासी सूरज सिंह पुत्र राजेश सिंह से 25 नवंबर 2024 को की थी।

ड्रग विभाग ने पेट दर्द-एंटी एलर्जिक दवाओं के सैंपल लिए

लखनऊ। अमीनाबाद में औषधि विभाग ने 6 मई को कई दवा कारोबारियों के यहां छापेमारी की। एंटी एलर्जिक, पेट दर्द और हड्डी रोग समेत कई दवाओं के सैंपल लिए। अफसरों को नामी कंपनी जायडस की ऑक्सालजिन डीपी टैबलेट को लेकर शिकायत मिली थी। नकली दवाओं की आशंका पर ड्रग इंस्पेक्टर संदेश मौर्य और विवेक सिंह की टीम ने कार्रवाई की।

अखिलेश यादव बोले- गोमती रिवर फ्रंट पर लगेगी चेतक संग प्रतिमा

सपा मुख्यालय में मनाई गई महाराणा प्रताप जयंती

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। Samajwadi Party के राज्य मुख्यालय लखनऊ में शनिवार को वीरवर महाराणा प्रताप की जयंती उल्लासपूर्ण वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री Akhilesh Yadav ने महाराणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान बड़ी संख्या में पार्टी नेता, कार्यकर्ता और क्षत्रिय समाज के प्रतिनिधि मौजूद रहे। कलगीदार साफा पहने प्रतिनिधियों से खचाखच भरे Dr. Ram Manohar Lohia Auditorium में आयोजित

कार्यक्रम में अखिलेश यादव ने कई राजनीतिक और सामाजिक घोषणाएं भी कीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर Gomti Riverfront पर चेतक के साथ महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रतिमा में सोने का भाला लगाया जाएगा और वहां एक सुंदर पार्क भी विकसित किया जाएगा।

समाजवादी सरकार की योजनाओं का किया जिक्र

पूर्व मुख्यमंत्री ने समाजवादी सरकार के कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने बिना भेदभाव के विकास कार्य किए। उन्होंने कहा कि नौकरियां निष्पक्ष तरीके से दी गईं और छात्रों को बिना किसी भेदभाव के लैपटॉप बांटे गए। उन्होंने कन्या विद्याधन योजना का भी उल्लेख करते हुए कहा कि छात्राओं की शिक्षा में बाधा न आए, इसके लिए 30 हजार रुपये की सहायता दी गई थी।

भाजपा पर साधा निशाना

कार्यक्रम में अखिलेश यादव ने भाजपा पर भी निशाना साधा। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सावधान रहने की सलाह देते हुए कहा कि भाजपा समाजवादी पार्टी को बदनाम करने की साजिश कर सकती है। उन्होंने कहा कि भाजपा की पहचान अलोकतांत्रिक राजनीति से जुड़ी है, माजवादी पार्टी लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

मिनी मंचकिंस स्कूल फरीदी नगर में धूमधाम से मनाया गया मदर्स डे

तमसा संकेत, संवाददाता

फरीदी नगर। Mini Munchkins School में मातृ दिवस (मदर्स डे) बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों महिलाओं और अभिभावकों ने भाग लेकर आयोजन को यादगार बना दिया। पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला, जहां महिलाओं ने गीत-संगीत, नृत्य और विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय पहुंचीं सभी महिला अतिथियों के पारंपरिक स्वागत से हुई। स्कूल प्रबंधन की ओर से महिलाओं का तिलक लगाकर अभिनंदन किया गया। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू हुई, जिसमें महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मौके पर गीत-संगीत, नृत्य प्रस्तुतियों और मनोरंजक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया

गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभागियों को सम्मानित और पुरस्कृत भी किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक संस्था Goonj की ओर से भी विशेष सहभागिता देखने को मिली। संस्था के माध्यम से जरूरत-मंद लोगों के लिए उपयोगी सामग्री एकत्रित की गई। इस पहल को उपस्थित लोगों ने काफी सराहा और इसे सामाजिक जिम्मेदारी की दिशा में सराहनीय कदम बताया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं और अभिभावकों के लिए खान-पान की विशेष व्यवस्था भी की गई थी। पूरे आयोजन का संचालन विद्यालय की प्राचार्य Priyanka Pandey ने किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय केवल बच्चों की शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को भी बढ़ावा देने का प्रयास करता है। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यों में सक्रिय योगदान देने वाली Ruchi Srivastava को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस दौरान उपस्थित अभिभावकों और अतिथियों ने विद्यालय की सराहना करते हुए कहा कि मिनी मंचकिंस स्कूल समय-समय पर ऐसे आयोजन कर बच्चों और परिवारों को जोड़ने का कार्य कर रहा है।अभिभावकों ने कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार और सामाजिक दायित्वों का समन्वय ही विद्यालय को अन्य संस्थानों से अलग पहचान दिलाता है। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने आयोजन को बेहद प्रेरणादायक और आनंददायक बताया।

अल्पसंख्यक छात्रों के डेंटल स्वास्थ्य पर योगी सरकार का फोकस

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार का अल्पसंख्यक कल्याण विभाग मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश में शिक्षा के साथ-साथ अल्पसंख्यक विद्यार्थियों के समग्र स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करने जा रहा है। इसी क्रम में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा अग्रणी कंपनी Colgate-Palmolive के साथ कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) के तहत एक विशेष कार्यक्रम प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया है। इस योजना का उद्देश्य प्रदेश के अल्पसंख्यक छात्र तथा मदरसों में अध्ययनरत लाखों विद्यार्थियों के डेंटल स्वास्थ्य को बेहतर बनाना है। इस संबंध में उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज राज्यमंत्री श्री दानिश आजाद अंसारी जी की के साथ कोलगेट समूह के वरिष्ठ

अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में मदरसा छात्रों के बीच ओरल हाइजीन के प्रति जागरूकता बढ़ाने, नियमित जांच की व्यवस्था करने तथा आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने जैसे विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रस्तावित योजना के अंतर्गत कोलगेट द्वारा सीएसआर पहल के तहत प्रदेश के अल्पसंख्यक छात्र तथा मदरसों में पढ़ने वाले छात्रों को निःशुल्क डेंटल किट उपलब्ध कराई जाएंगी। इन किटों में टूथब्रश, टूथपेस्ट तथा अन्य आवश्यक सामग्री शामिल होगी। इसके अतिरिक्त, समय-समय पर विशेषज्ञों द्वारा डेंटल चेकअप कैंप भी आयोजित किए जाएंगे, जिससे छात्रों को प्रारंभिक स्तर पर ही दांतों से संबंधित समस्याओं की पहचान और उपचार की सुविधा मिल सके। राज्य मंत्री श्री दानीश आजाद अंसारी ने कहा कि "योगी सरकार का लक्ष्य केवल शैक्षिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का भी समुचित ध्यान रखना है। यह पहल अल्पसंख्यक छात्रों तथा मदरसा छात्रों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाएगी और उन्हें स्वस्थ भविष्य की ओर अग्रसर करेगी।" कोलगेट समूह की ESG & COMMUNICATION DIRECTOR श्रीमती एम.एस. शिल्पा श्री ने भी इस साझेदारी को सामाजिक दायित्व की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि कंपनी समाज के विभिन्न वर्गों तक बेहतर ओरल केयर सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

तबीयत ज्यादा खराब होने के बाद स्वस्थ खड़ा हूं, सब इनकी कृपा

अजय राय ने दक्षिणमुखी हनुमान के दर्शन किए

- अजय राय ने सिर पर गमछा डाल रखा था। उन्होंने बजरंगबली के दर पर मत्था टेका।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने शनिवार को बजरंगबली के दर्शन किए। वह अस्पताल से वापसी के बाद परिवार सहित घर से सीधे हजरतगंज स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने पत्नी और बेटी के साथ हनुमानजी की पूजा की। बजरंगबली के सामने मत्था टेका। ज्यादा तबीयत खराब होने के बाद भी आज बिल्कुल ठीक हूं, यह बजरंगबली का आशीर्वाद है।

'नई सरकार बंगाल में अपराध रोके'

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने पर बोले- सुवेंदु अधिकारी आज शपथ लेने वाले हैं। उनको मुख्यमंत्री बनाया जा रहा है। नई जिम्मेदारी मिल रही है। उन्हें हर तरह से अच्छा काम करना चाहिए। उनको पूरे बंगाल की जनता का ध्यान रखना चाहिए। जिस तरह से वहां घटनाएं घट रही हैं, हत्याएं हो रही है, उन सब पर तत्काल रोक लगनी चाहिए।

> अजय राय ने कहा- घर से सीधे हनुमान मंदिर बजरंगबली की शरण में पहुंचा हूं। यहां पूजा-अर्चना करने के बाद प्रदेश कार्यालय जाकर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करूंगा। भगवान ने मेरी रक्षा की। महादेव और भोले बाबा की कृपा रही कि मैं आज स्वस्थ खड़ा हूं।

अजय राय ने पूरे टाइम सर्जिकल मास्क लगाए रखा। उनके साथ पत्नी और बेटी मौजूद हैं।

'जनगणना भी एसआईआर की तरह मनगढ़ंत न हो'

उत्तर प्रदेश मैं होने वाली जनगणना पर कहा कि इसे ठीक तरह से करवाना चाहिए। इस पर SIR की तरह मनगढ़ंत काम नहीं होना चाहिए। जनगणना पूरी ईमानदारी केरलम् चुनाव को लेकर अजय राय ने कहा– विजय के पास पर्याप्त सीट हो गई है। कांग्रेस उनके के साथ है।

वारदात : प्लॉट में झाड़ियों के बीच पड़ा मिला शव, एसजीपीजीआई में काम करता था

युवक की हत्या, सिर-चेहरा कूंचा

तमसा संकेत, एजेंसी

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ में एक युवक की सिर और चेहरा कूंचकर हत्या कर दी गई। बॉडी पर धारदार हथियार से हमले के भी निशान हैं। उसका शव घर से 800 मीटर दूर प्लॉट में झाड़ियों के बीच पड़ा मिला। एक रात पहले वह घर से निकला था, उसके बाद मोबाइल स्विच ऑफ हो गया।

घरवाले उसे ढूंढ़ रहे थे। मामला बिजनौर थाना क्षेत्र का है। शनिवार दोपहर अशरफ नगर इठुरिया गांव के बाहर झील के किनारे प्लॉट पर युवक का शव मिला। युवक की पहचान सूरज गौतम (28) के रूप में हुई। वह अपने बड़े भाई शुभम और मां केशाना के साथ ननिहाल में रहता था।

> सूरज की मां केशाना घर में बैठी रो रही हैं। वह यही कहती जा रही हैं- मेरा बेटा नशेड़ी-शराबी नहीं था। अगर वह नशेड़ी-शराबी होता तो मान लेती कि उसने ही कुछ किया होगा। सूरज के पास दो मोबाइल फोन थे, जिनमें से एक गायब है। उसका पर्स भी गायब है। कभी ऐसा नहीं हुआ कि उसने कहना न माना हो।

घर से 800 मीटर दूर खड़ी मिली बाइक

जब बड़ा बेटा शुभम ढूंढने निकला तो घर से करीब 800 मीटर दूर बिजनौर जाने वाले रास्ते के किनारे सूरज की बाइक खड़ी मिली। इसके बाद थोड़ा आगे बढ़कर देखने पहुंचा तो करीब 100 मीटर दूर झील के पास उसके भाई खून से लथपथ मृत पड़ा मिला।

गांववालों के लिए चारपहिया गाड़ी चलाता था

कई बार फोन मिलाने के बाद मोबाइल स्विच ऑफ बताता रहा। इसके बाद मैं और बड़ा बेटा शुभम उसको खोजते रहे। सूरज चारपहिया वाहन चला लेता था तो गांव के लोग अक्सर किसी के बीमार हो जाने पर उसे गाड़ी चलाने के लिए बुला लेते थे।

यह सोचकर मैं गांव में कई लोगों के यहां पता करने गई, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। आज सुबह 4:00 बजे मैं फिर बाहर ढूंढ़ने निकली तो पता चला कि शाम को सूरज गांव में एक परचून दुकान के पास खड़ा था। बाद में बिजनौर की तरफ चला गया था। मैंने बड़े बेटे को बिजनौर तरफ सूरज तलाश करने के लिए भेजा। एक्सीडेंट की आशंका थी कि वह घायल तो नहीं हो गया, जिससे घर में किसी को ना पता चले इसके लिए मोबाइल स्विच ऑफ कर लिया हो।

घटनास्थल पर एक ईंट पड़ी है, जिस पर खून के छींटें पड़ी हैं।

मृतक की मां केशाना रोते हुए यही कहती जा रही हैं कि मेरा बेटा नशेड़ी-शराबी होता तो मान लेती कि उसने ही कुछ किया होगा।

पारदर्शी एवं नकलविहीन वातावरण में सम्पन्न हुई प्रवक्ता संवर्ग की लिखित परीक्षा : डॉ. प्रशांत कुमार

17 मण्डल मुख्यालयों में आयोजित हुई प्रवक्ता संवर्ग की लिखित परीक्षा

तमसा संकेत, संवाददाता

प्रयागराज / लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि आयोग द्वारा आयोजित विज्ञापन सं० 02/2022 प्रवक्ता संवर्ग के अंतर्गत कुल 18 विषयों की लिखित परीक्षा के क्रम में शनिवार को प्रथम पाली एवं द्वितीय पाली में कुल 09 विषयों की परीक्षा प्रदेश के 17 जनपदों (मण्डल मुख्यालयों) में निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर सफलतापूर्वक सम्पन्न कराई गई। उन्होंने बताया कि प्रथम पाली में पूर्वान्ह 09:30 बजे से 11:30 बजे तक 278 परीक्षा केन्द्रों पर भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान, गृह विज्ञान, इतिहास एवं शिक्षाशास्त्र विषयों की परीक्षा आयोजित की गई, जबकि द्वितीय पाली में अपरान्ह 02:30 बजे से 04:30 बजे तक 269 परीक्षा केन्द्रों पर अंग्रेजी, कृषि, वाणिज्य एवं समाजशास्त्र विषयों की परीक्षा

सम्पन्न हुई। आयोग अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि परीक्षा की पारदर्शिता एवं सुचिता सुनिश्चित करने हेतु आयोग मुख्यालय में स्थापित एआई एकीकृत नियंत्रण कमांड कक्ष से सभी परीक्षा केन्द्रों की सघन निगरानी की गई। इस दौरान आयोग के सदस्यगण, सचिव, परीक्षा नियंत्रक एवं उपसचिव की उपस्थिति में परीक्षा केन्द्रों पर लगाए गए ए.आई. कैमरों के माध्यम से परीक्षार्थियों की गतिविधियों पर सतत दृष्टि रखी गई। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा पूर्णतः पारदर्शी, नकलविहीन, सुचितापूर्ण, निर्विघ्न एवं समयबद्ध तरीके से सम्पन्न हुई। डॉ. प्रशांत कुमार ने परीक्षा के सफल संचालन में जिला प्रशासन एवं स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा दिए गए सक्रिय सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि 09 मई 2026 की लिखित परीक्षा में कुल 89,766 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए, जिनमें महिला परीक्षार्थियों की उपस्थिति 34.89 प्रतिशत तथा पुरुष परीक्षार्थियों की उपस्थिति 42.26 प्रतिशत रही।

भूमि विवादों में मौके पर पहुंचकर कार्रवाई के निर्देश, संयुक्त टीमों को दी जिम्मेदारी

थाना समाधान दिवस में डीएम-एसपी ने सुनीं शिकायतें

सुनवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले में आयोजित थाना समाधान दिवस के दौरान शनिवार को प्रशासन और पुलिस अधिकारियों ने आमजन की शिकायतों की सुनवाई की। थाना टांडा पहुंचे जिलाधिकारी ईशा प्रिया और पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने फरियादियों से सीधे संवाद कर समस्याओं की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि शिकायतकर्ता को कार्रवाई की जानकारी समय-समय पर दी जाए, ताकि लोगों का प्रशासन पर भरोसा मजबूत हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए।

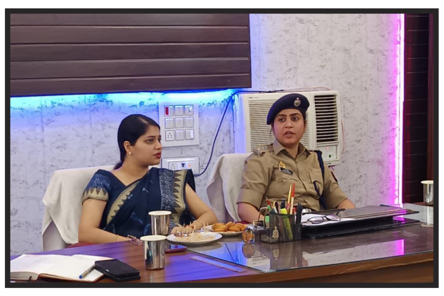

लोगों से सीधे संवाद कर जानी समस्याएं

थाना परिसर में अधिकारियों ने मौजूद लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। कई फरियादियों ने प्रशासनिक अधिकारियों के सामने अपनी शिकायतें रखीं, जिन पर तत्काल संबंधित विभागों को कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इस दौरान उपजिलाधिकारी टांडा, क्षेत्राधिकारी टांडा, तहसीलदार टांडा समेत राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। समाधान दिवस में पहुंचे लोगों की शिकायतों का रिकॉर्ड तैयार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई।

> समाधान दिवस में पहुंचे अधिकांश मामले भूमि विवाद, कब्जा, सीमांकन और आपसी झगड़ों से जुड़े रहे। अधिकारियों ने इन मामलों को गंभीर श्रेणी में रखते हुए राजस्व और पुलिस विभाग को संयुक्त रूप से कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

मौके पर भेजी गई संयुक्त टीमें

समाधान दिवस के दौरान प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर अधिकारियों ने तत्काल संयुक्त टीमों को मौके पर भेजने के निर्देश दिए।

राजस्व और पुलिस विभाग की टीमों को विवादित स्थलों का निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार करने को कहा गया। अधिकारियों ने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि कार्रवाई पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी हो।

लंबित शिकायतों पर जताई नाराजगी

सुनवाई के दौरान कुछ शिकायतकर्ताओं ने मामलों के लंबे समय से लंबित होने की जानकारी दी। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया और चेतावनी दी कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि थाना समाधान दिवस का उद्देश्य लोगों को त्वरित राहत देना है, इसलिए हर शिकायत का समयबद्ध समाधान होना चाहिए।

पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने पुलिस कर्मियों को निर्देश दिए कि थाना स्तर पर आने वाली शिकायतों को गंभीरता से लिया जाए। उन्होंने कहा कि छोटे विवादों को समय रहते निपटाया जाए, ताकि आगे चलकर कानून व्यवस्था की स्थिति प्रभावित न हो।

अदाणी एग्रो का हाईटेक साइलो तैयार

भीटी ब्लॉक में 25,000 मीट्रिक टन क्षमता वाला आधुनिक अनाज भंडारण केंद्र मई से शुरू

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले में औद्योगिक और रोजगार विकास के लिए बड़ी पहल के तहत भीटी ब्लॉक के सेहरा जलालपुर गांव में अदाणी एग्रो लॉजिस्टिक का विशाल साइलो तैयार हो गया है। छह एकड़ क्षेत्र में बने इस आधुनिक अनाज भंडारण केंद्र की क्षमता 25,000 मीट्रिक टन है। इसे 20 मई से ट्रायल के बाद संचालन में लाया जाएगा। साइलो के निर्माण में 25 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है। संचालन शुरू होने पर प्रत्यक्ष रूप से लगभग 100 लोगों को रोजगार मिलेगा, जबकि अप्रत्यक्ष रूप से 500 से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। इस साइलो में अनाज के साथ-साथ फल, सब्जियां, दूध, दही और तेल जैसे खाद्य पदार्थों को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जाएगा। अदाणी एग्रो कंपनी के जिला प्रभारी गिरिजेश कुमार ने बताया कि प्लांट से संबंधित सभी

कार्य लगभग पूर्ण हो चुके हैं। शेष बचे कार्य 20 मई से पहले पूरे कर लिए जाएंगे। ट्रायल के सफल संचालन के बाद यह साइलो जिले में आधुनिक भंडारण सुविधा के रूप में काम करेगा। उद्यमी मित्र अखिलेश पटेल ने बताया कि अदाणी एग्रो इंवेस्ट यूपी की फ्रंट कंपनियों की सूची में शामिल है। इसके साथ ही इस वर्ष रिलायंस बायो एनर्जी सहित कई औद्योगिक परियोजनाओं का शुभारंभ जिले में किया जाएगा। इन परियोजनाओं से सैकड़ों युवाओं को रोजगार मिलेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। जिले की दो सीमाओं पर औद्योगिक गलियारों का विकास किया जा रहा है। आलापुर, बेवाना और भीटी ब्लॉक के कुछ हिस्सों को इसमें शामिल किया गया है। अदाणी और रिलायंस समूह सहित छह से अधिक कंपनियां अपनी इकाइयां तैयार कर रही हैं। निजी निवेशक सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर आधुनिक राइस मिल, आयल मिल और टाइल्स मिल जैसी परियोजनाओं में भी सक्रिय हैं। साइलो एक आधुनिक भंडारण गृह है, जिसमें गेहूं, मक्का, चावल और अन्य अनाज बिना बोरी के लंबे समय तक सुरक्षित रखे जा सकते हैं। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के समीप होने के कारण परिवहन और वितरण की सुविधा भी आसान होगी। उपायुक्त जिला उद्योग केंद्र हरिप्रताप श्रीवास्तव ने बताया कि यह साइलो जिले के औद्योगिक और रोजगार विकास में मील का पत्थर साबित होगा। स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और किसानों तथा व्यापारियों को आधुनिक भंडारण सुविधा प्राप्त होगी।

फास्ट न्यूज

आमिर एनकाउंटर के बाद पीड़ित परिवारों को राहत

अंबेडकरनगर में चार मासूम बच्चों और उनकी मां की हत्या के मामले में कुख्यात आरोपी आमिर के पुलिस एनकाउंटर में मारे जाने के बाद पीड़ित परिवारों ने राहत की सांस ली है। लंबे समय से चल रहे इस मामले में अब जाकर परिजनों ने न्याय मिलने जैसा अहसास जताया है। जो इस जघन्य हत्याकांड का मुख्य आरोपी था। पीड़ित संत कुमार कसौधन ने बताया कि करीब पांच साल पहले उनके बेटे की हत्या की गई थी।

मिशन शक्ति अभियानः महिला थाना में काउंसलिंग से सुलझे चार पारिवारिक विवाद

अम्बेडकरनगर में मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला थाना में शुक्रवार को प्राप्त चार प्रार्थना पत्रों पर सुनवाई और काउंसलिंग की गई। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के निर्देशन में आयोजित इस प्रक्रिया में पति-पत्नी के बीच चल रहे पारिवारिक विवाद और आपसी मनमुटाव पर विस्तार से चर्चा की गई। महिला थानाध्यक्ष ज्योति वर्मा ने दोनों पक्षों और उनके परिजनों को महिला थाना बुलाकर बातचीत की। काउंसलिंग के दौरान परिवार से जुड़े मुद्दों को शांतिपूर्वक सुना गया और आपसी समझ बनाने का प्रयास किया गया।

मेडिकल कॉलेज में तीन दिवसीय बीसीएमई प्रशिक्षण सम्पन्न

महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज, अंबेडकरनगर में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप तीन दिवसीय Basic Course in Medical Education (BCME) प्रशिक्षण कार्यक्रम 7 से 9 मई 2026 तक आयोजित किया गया। समन्वयक डॉ. राकेश कुमार दीवान के पर्यवेक्षण में किया गया।

यह प्रशिक्षण चिकित्सा शिक्षकों

बैंक ऑफ इंडिया की नीलामी पर विवाद, 18 महीने बाद भी खरीदार को नहीं मिला मकान का कब्जा

25 लाख जमा कराने के बाद कार्रवाई अधूरी, बैंक की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर।बैंक ऑफ इंडिया की ओर से की गई एक संपत्ति नीलामी को लेकर अम्बेडकरनगर में विवाद गहराता जा रहा है। आरोप है कि नीलामी प्रक्रिया पूरी होने और करीब 25 लाख रुपये जमा कराने के बावजूद खरीदार को 18 महीने बाद भी मकान का कब्जा नहीं मिल सका है। मामले के सामने आने के बाद बैंक की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। जानकारी के अनुसार पीड़िता निष्ठा पाण्डेय ने बैंक की नीलामी प्रक्रिया में हिस्सा लेकर संपत्ति खरीदी थी। निर्धारित राशि जमा होने के बाद उन्हें कब्जा मिलने की उम्मीद थी, लेकिन लंबे समय बाद भी प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। मामले में बैंक की ओर से प्रशासनिक प्रक्रिया का हवाला दिया जा रहा है। बताया जा रहा है कि कब्जा दिलाने के लिए जिला प्रशासन स्तर पर बैठक जरूरी है,

लेकिन अब तक बैठक नहीं हो पाने से कार्रवाई आगे नहीं बढ़ सकी। इसी कारण खरीदार को संपत्ति का वास्तविक कब्जा नहीं मिल पाया। हालांकि इस तर्क को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि कब्जा दिलाने की स्थिति स्पष्ट नहीं थी तो नीलामी प्रक्रिया पूरी क्यों कराई गई। लोगों का आरोप है कि बिना पूर्ण तैयारी के नीलामी कर आम लोगों को भ्रमित किया गया। का कहना है कि संपत्ति खरीदने के लिए उन्होंने ब्याज पर रकम की व्यवस्था की थी। लंबे समय तक कब्जा न मिलने से आर्थिक दबाव लगातार बढ़ता गया। ब्याज और उधारी के कारण उनकी परेशानी और बढ़ गई है। मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा तेज है। लोगों का कहना है कि बैंक को नीलामी से पहले संपत्ति की स्थिति और कब्जा प्रक्रिया स्पष्ट करनी चाहिए थी। इससे खरीदारों को भविष्य में होने वाली दिक्कतों से बचाया जा सकता था। पूरा मामला अब SARFAESI Act के तहत अपनाई जाने वाली प्रक्रिया को लेकर भी चर्चा में है। जानकारों का कहना है कि अधिनियम के तहत नीलामी और कब्जा प्रक्रिया स्पष्ट रूप से निर्धारित होती है। इसके बावजूद लंबे समय तक कार्रवाई अधूरी रहने से सवाल खड़े हो रहे हैं। अब मामले में जिम्मेदारी तय करने और पूरी प्रक्रिया की जांच की मांग तेज हो गई है। स्थानीय स्तर पर लोग बैंक और संबंधित अधिकारियों से स्पष्ट जवाब की अपेक्षा कर रहे हैं।

दूसरे दिन सरकारी कार्यालयों में चला व्यापक जागरूकता अभियान

जनगणना-2027 स्व-गणना अभियान ने पकड़ी रफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। अम्बेडकरनगर में भारत की जनगणना-2027 के तहत चल रहे स्व-गणना अभियान के दूसरे दिन शुक्रवार को जिलेभर में व्यापक स्तर पर गतिविधियां संचालित की गईं। विभिन्न सरकारी कार्यालयों में अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वयं स्व-गणना कर आमजन को भी अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। जिले के विकास खंड कार्यालयों, नगर निकायों, कृषि विभाग के कार्यालयों और जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय समेत कई विभागों में स्व-गणना अभियान को सक्रिय रूप से चलाया गया। कार्यालयों में आने वाले लोगों को स्व-गणना प्रक्रिया की जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें पोर्टल पर जाकर स्वयं

और अपने परिवार का विवरण दर्ज करने के लिए जागरूक किया गया। लोगों को बताया गया कि स्व-गणना के जरिए परिवार की जानकारी आसानी से पोर्टल पर दर्ज की जा सकती है। अभियान के दूसरे दिन विभिन्न कार्यालयों में लोगों की अच्छी भागीदारी देखने को मिली। कई नागरिकों ने मौके पर ही पोर्टल के माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज की। ताकि जिले के अधिकाधिक परिवार स्व-गणना प्रक्रिया से जुड़ सकें।

21 मई तक चलेगा स्व-गणना अभियान

जिलाधिकारी एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी ईशा प्रिया ने जनपदवासियों से निर्धारित अवधि के भीतर स्व-गणना प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जनगणना देश की महत्वपूर्ण प्रशासनिक और विकासात्मक प्रक्रिया है। इससे सरकार को योजनाओं के निर्माण और संसाधनों के बेहतर प्रबंधन में सहायता मिलती है। उन्होंने नागरिकों से 7 मई से 21 मई तक चलने वाले अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा। प्रशासन की ओर से लगातार जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

कार्यालयों में बनाए गए सेल्फी प्वाइंट

अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न कार्यालयों में सेल्फी प्वाइंट भी स्थापित किए गए हैं। यहां अधिकारी, कर्मचारी और आम नागरिक स्व-गणना अभियान से जुड़कर फोटो ले रहे हैं और सहभागिता का संदेश दे रहे हैं। प्रशासन का मानना है कि इस पहल से लोगों में अभियान के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। कई कार्यालयों में कर्मचारियों ने नागरिकों को ऑनलाइन प्रक्रिया समझाने में भी मदद की। लोगों को बताया गया कि स्व-गणना के जरिए परिवार की जानकारी आसानी से पोर्टल पर दर्ज की जा सकती है। अभियान के दूसरे दिन विभिन्न कार्यालयों में लोगों की अच्छी भागीदारी देखने को मिली। कई नागरिकों ने मौके पर ही पोर्टल के माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज की। अधिकारियों के अनुसार आने वाले दिनों में अभियान को और तेज किया जाएगा, ताकि जिले के अधिकाधिक परिवार स्व-गणना प्रक्रिया से जुड़ सकें।

बिजली शिकायतों के लिए कंट्रोल रूम शुरू

आंधी-बारिश के बाद बिजली संकट से निपटने को जारी हुआ वाट्सएप नंबर

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। आंधी, तूफान और बारिश के दौरान बिजली आपूर्ति बाधित होने की समस्या को देखते हुए बिजली विभाग ने जिला मुख्यालय पर कंट्रोल रूम स्थापित किया है। अब उपभोक्ता बिजली कटौती, ट्रांसफार्मर फुंकने, खंभे टूटने और बिजली आपूर्ति बाधित होने जैसी समस्याओं की शिकायत सीधे वाट्सएप के माध्यम से दर्ज करा सकेंगे। विभाग की ओर से कहा गया है कि उपभोक्ताओं को शिकायत भेजते समय अपना नाम, क्षेत्र का बिजली उपकेंद्र और समस्या का पूरा विवरण देना होगा। इससे शिकायतों के निस्तारण में आसानी होगी और संबंधित अधिकारी सीधे कार्रवाई कर सकेंगे। अधिकारियों के अनुसार इस व्यवस्था का उद्देश्य उपभोक्ताओं और बिजली विभाग के बीच पारदर्शिता बढ़ाना है। शिकायत दर्ज होने के बाद उपभोक्ता के मोबाइल पर इसकी जानकारी भेजी जाएगी। समस्या का समाधान होने के बाद विभागीय कर्मचारी शिकायतकर्ता से फीडबैक भी लेंगे।

42 उपकेंद्रों से जुड़े हैं लाखों उपभोक्ता

जिले के अकबरपुर, जलालपुर, टांडा और आलापुर डिवीजन के 42 बिजली उपकेंद्रों से शहर सहित 899 गांवों में बिजली आपूर्ति की जाती है। विभाग से करीब चार लाख 30 हजार उपभोक्ता जुड़े हुए हैं। कंट्रोल रूम में दो कर्मचारियों की तैनाती की गई है। ये कर्मचारी शिकायतों को दर्ज कर संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाएंगे और निस्तारण की निगरानी करेंगे।

> विभाग की ओर से कहा गया है कि उपभोक्ताओं को शिकायत भेजते समय अपना नाम, क्षेत्र का बिजली उपकेंद्र और समस्या का पूरा विवरण देना होगा। इससे शिकायतों के निस्तारण में आसानी होगी और संबंधित अधिकारी सीधे कार्रवाई कर सकेंगे। अधिकारियों के अनुसार इस व्यवस्था का उद्देश्य उपभोक्ताओं और बिजली विभाग के बीच पारदर्शिता बढ़ाना है। शिकायत दर्ज होने के बाद उपभोक्ता के मोबाइल पर इसकी जानकारी भेजी जाएगी। समस्या का समाधान होने के बाद विभागीय कर्मचारी शिकायतकर्ता से फीडबैक भी लेंगे।

बिजली विभाग ने जारी की सावधानियां

बिजली विभाग ने बारिश के दौरान लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। विभाग ने कहा कि खंभों और घर तक आने वाली बिजली केबल की नियमित जांच करें। पोल या स्टे वायर से पशुओं को न बांधें और टूटे तारों से दूरी बनाए रखें।

आंधी-बारिश में हुआ था बड़ा नुकसान

हाल के दिनों में आई तेज आंधी और बारिश से मध्यांचल विद्युत वितरण निगम को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। विभागीय आंकड़ों के अनुसार करीब डेढ़ करोड़ रुपये की क्षति हुई। जिले में 700 बिजली खंभे, 50 से अधिक ट्रांसफार्मर और लगभग दो हजार इंसुलेटर क्षतिग्रस्त हो गए थे। कई इलाकों में बिजली व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित रही और कुछ स्थानों पर 48 घंटे बाद आपूर्ति बहाल हो सकी। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद बिजली विभाग ने कंट्रोल रूम की व्यवस्था लागू की है, ताकि उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा सके।

उर्वरकों का पर्याप्त भंडार, कृषि विभाग ने जारी किए सख्त निर्देश

मई तक लक्ष्य से कई गुना अधिक उर्वरक की उपलब्धता

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर में खरीफ सीजन को देखते हुए कृषि विभाग ने उर्वरकों की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था को लेकर स्थिति स्पष्ट की है। जिला कृषि अधिकारी अरविंद चौधरी ने बताया कि जनपद में यूरिया और फास्फेटिक उर्वरकों का पर्याप्त भंडार मौजूद है। किसानों को जरूरत के अनुसार उर्वरक उपलब्ध कराया जा रहा है विभाग के अनुसार मई तक यूरिया का लक्ष्य 3470 मीट्रिक टन निर्धारित था, जबकि इसके सापेक्ष 17424 मीट्रिक टन उपलब्ध कराया गया। इसी तरह डीएपी का लक्ष्य 1352 मीट्रिक टन था, जिसके मुकाबले 5459 मीट्रिक टन की उपलब्धता दर्ज की गई। एनपीके उर्वरक का लक्ष्य 196 मीट्रिक टन था, जबकि 3266 मीट्रिक टन उपलब्ध हुआ। एसएसपी उर्वरक का लक्ष्य 2511 मीट्रिक टन था और इसके मुकाबले 14789 मीट्रिक टन

उपलब्ध कराया गया। वहीं एमओपी का लक्ष्य 174 मीट्रिक टन था, जिसके सापेक्ष 157 मीट्रिक टन की उपलब्धता रही। कृषि विभाग के मुताबिक किसानों को वितरण के बाद भी जनपद में उर्वरकों का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। वर्तमान में सहकारिता और निजी क्षेत्र में संयुक्त रूप से यूरिया 16390 मीट्रिक टन उपलब्ध है। इसके अलावा डीएपी 51292 मीट्रिक टन, एनपीके 3086 मीट्रिक टन, एसएसपी 143772 मीट्रिक टन और एमओपी 135 मीट्रिक टन उपलब्ध बताया गया है। विभाग ने कहा कि किसानों को उर्वरक की कमी नहीं होने दी जाएगी।

जयंती : महाराणा प्रताप जयंती पर जिला पंचायत परिसर में हुआ आयोजन

महाराणा प्रताप के जीवन से साहस और आत्मसम्मान की मिलती है प्रेरणा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर में शनिवार को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। जिला पंचायत परिषद परिसर में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण और ध्वजारोहण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम में जिले भर से हजारों लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में वक्ताओं ने महाराणा प्रताप के संघर्षपूर्ण जीवन पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने बताया कि महाराणा प्रताप का जीवन आज भी युवाओं के लिए साहस, आत्मसम्मान और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा है। कार्यक्रम के संरक्षक लाल बिहारी सिंह ने कहा कि महाराणा

प्रताप भारतीय अस्मिता और स्वाभिमान के प्रतीक हैं। उन्होंने युवाओं से उनके आदर्शों को अपनाने की अपील की। अध्यक्ष हवलदार सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और युवाओं से समाज और राष्ट्रहित में आगे आने का आह्वान किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति और वीरता का माहौल बना रहा। उपस्थित लोगों ने महाराणा प्रताप के बताए मार्ग पर चलने और उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

मुख्य और विशिष्ट अतिथियों के विचार

मुख्य अतिथि विजय प्रताप सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन संघर्ष, त्याग और राष्ट्रभक्ति का अद्भुत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि ऐसे महापुरुषों को याद करना नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ता है। विशिष्ट अतिथि धीरेन्द्र त्रिपाठी ने समाज में एकता और भाईचारे पर जोर देते हुए महाराणा प्रताप के आदर्शों को अपनाने की बात कही।

आयोजन समिति और प्रमुख उपस्थित लोग

कार्यक्रम का संचालन संयोजक सूर्यभान सिंह और सुधीर सिंह "मिंटू भैया" ने किया। दोनों ने आयोजन में सहयोग देने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अमित सिंह, सीईओ, रामचरन सिंह, डॉ. एसएन सिंह, प्रदीप सिंह (पीके कंस्ट्रक्शन), केसरी सिंह (उपाध्यक्ष), डॉ. रजनीश सिंह (भाजपा), संजय सिंह (महामंत्री), शिव प्रसाद सिंह (महामंत्री), अखिलेश सिंह, राजेश सिंह, प्रदीप सिंह पालीवाल, ज्ञान प्रकाश सिंह (सूचना प्रभारी), शिव सागर सिंह (ब्लॉक अध्यक्ष), रवि सिंह, राजेश सिंह, अतुल सिंह, आशुतोष सिंह, धीरेंद्र सिंह, बलवंत सिंह, नरेंद्र सिंह सहित विभिन्न ब्लॉकों के अध्यक्ष और बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सूरापुर सहकारी समिति में कब्जे का प्रयास, आगजनी और धमकी के आरोप में मुकदमा दर्ज

दिनदहाड़े परिसर में हंगामा, ताले तोड़ने की कोशिश

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर के सूरापुर स्थित कृषि विपणन सहकारी समिति परिसर में जबरन कब्जे के प्रयास का मामला सामने आया है। इस घटना को लेकर पुलिस ने विकास चौधरी और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। शिकायत के अनुसार आरोपी विकास चौधरी अपने कुछ साथियों के साथ समिति परिसर पहुंचा और मेन गेट व गोदाम के ताले तोड़ने का प्रयास किया। आरोप है कि इसका उद्देश्य समिति कार्यालय पर जबरन कब्जा करना था। अविनाश चौधरी का आरोप है कि विरोध करने पर विकास चौधरी और उसके साथियों ने उनके साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की। इस दौरान समिति के सचिव आपाक अहमद और अन्य कर्मचारियों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। आरोप यह भी है कि जाते

समय आरोपी ने अविनाश चौधरी और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। शिकायत में यह भी बताया गया है कि जब गोदाम का ताला नहीं टूट सका तो आरोपियों ने शटर के नीचे आग लगाने की कोशिश की। इस घटना से परिसर में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया। मामले में अलीगंज पुलिस ने विकास चौधरी और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले की गंभीरता को देखते हुए आगे की कार्रवाई तेज कर दी गई है। प्रशासन ने आरोपों को गंभीर मानते हुए विकास चौधरी के शस्त्र लाइसेंस को निरस्त करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि आगजनी, धमकी और जबरन कब्जे के प्रयास जैसे आरोपों की जांच की जा रही है।

सम्पादकीय

तमिलनाडु में सत्ता का बेवजह विवाद

हाल में संपन्न चुनावों में भाजपा की बड़ी जीत के बाद एक जबरदस्त कटाक्ष सोशल मीडिया पर पढ़ने मिला कि ये तो मोदीजी का बड़प्पन है कि चुनाव करवाने के बाद भाजपा को विजेता दिखाते हैं। वाकई देश में एक अजब मुकाम पर आ पहुंचा है कि जहां चुनाव से पहले ही ऐलान हो जाता है कि आएगा तो मोदी ही और इस घोर अलोकतांत्रिक रवैये पर अब जनता ने सवाल उठाना भी छोड़ दिया है। जब पहले से तय है कि आएगा तो मोदी ही, तो उसके बाद भी चुनाव की लंबी-चौड़ी, खर्चीली प्रक्रिया की औपचारिकता निभाना वाकई बड़प्पन ही है। कम से कम लोकतांत्रिक, निष्पक्ष चुनाव का भरम तो बना ही हुआ है। इसी भरम के सहारे भाजपा या चुनाव आयोग पर सवाल उठाने वालों को जवाब भी मिलता है कि अगर निष्पक्ष चुनाव नहीं होते तो कहीं-कहीं कांग्रेस या दूसरे दलों को जीत कैसे मिलती है। यानी एकाध जगह अगर भाजपा के खिलाफ कोई जीत गया तो उसे ही चुनाव आयोग और भाजपा की निष्पक्षता के सबूत के तौर पर पेश किया जाता है। लेकिन विपक्ष के जीते हुए राज्यों में भी भाजपा किस तरह खेल करती है, इसका ताजा उदाहरण तमिलनाडु से सामने आ रहा है। इस बार तमिलनाडु में किसी भी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिला है। 243 सीटों की विधानसभा के चुनाव में टीवीके ने कुल 108 सीटें हासिल की है, जबकि बहुमत का आंकड़ा 118 का है। कांग्रेस ने 5 सीटों के साथ टीवीके को समर्थन का ऐलान कर दिया है, फिर भी बहुमत के लिए जरा सी कसर बाकी है। ऐसा नहीं है कि इस तरह की नौबत पहली बार किसी राज्य में हुई हो, जिस पर फैसला लेने में वक्त लग रहा हो। त्रिशंकु विधानसभा या लोकसभा की स्थिति कई बार बनी है। लेकिन आम तौर पर इसमें सबसे बड़ा दल ही सरकार बनाने का दावा पेश करता है और राज्यपाल उसे स्वीकार भी कर लेते हैं। तमिलनाडु में भी टीवीके नेता विजय ने बुधवार को तमिलनाडु के कार्यवाहक राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर से मुलाकात की और सरकार बनाने का दावा पेश किया। लेकिन तब राज्यपाल ने विजय को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित नहीं किया और कहा कि स्थिर सरकार के लिए जरूरी है कि आप बहुमत दिखाने के लिए साथ देने वाले विधायकों के हस्ताक्षर लेकर आएं। अब इतनी जल्दी तो हस्ताक्षर जुटाए नहीं जा सकते, लिहाजा विजय गुरुवार को भी राज्यपाल के पास पहुंचे और करीब 45 मिनट की मुलाकात में फिर सरकार बनाने का दावा पेश करते हुए भरोसा दिलाया कि वे बहुमत साबित कर लेंगे। लेकिन उन्हें दीवार फिल्म के अमिताभ बच्चन की तरह राज्यपाल श्री अर्लेकर ने कहा कि पहले विधायकों के साइन लेकर आओ। जबकि यह राज्यपाल का काम नहीं है कि वह सरकार बनाने का दावा करने वाली पार्टी से बहुमत साबित करने कहे, यह काम विधानसभा फ्लोर टेस्ट में होता है। अगर विजय मुख्यमंत्री बनने के बाद भी बहुमत साबित नहीं कर पाते, तब तो उन्हें सत्ता पर बैठने का हक नहीं है। लेकिन उससे पहले ही उन्हें सरकार बनाने के लिए आमंत्रित न करके एक गलत मिसाल पेश की जा रही है। बीच कई किस्म के कयास लगने शुरु गए, जैसे एआईएडीएमके और डीएमके मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश कर देंगे, या विजय को एआईएडीएमके के कुछ विधायक भी समर्थन दे सकते हैं, आदि, आदि। दरअसल एआईएडीएमके के कई विधायकों को पुडुचेरी के एक निजी होटल में ठहराया गया है। खबरों के मुताबिक एआईएडीएम के एक गुट का मानना है कि पार्टी को टीवीके का समर्थन करना चाहिए, जबकि दूसरा गुट इसके $िखलाफ़ है। इस मुद्दे पर पार्टी के महासचिव ईके पलानीस्वामी की अध्यक्षता में बुधवार को एक बैठक हुई। हालांकि, एआईएडीएमके के पूर्व मंत्री केपी मुनुस्वामी ने कहा है कि टीवीके को एआईएडीएमके का समर्थन मिलने की ख़बर झूठी है। वहीं डीएमके ने भी कहा है कि वह सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए तैयार है। डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने साफ शब्दों में कहा है कि विजय को सरकार बनाने दी जाए। स्टालिन ने कहा कि डीएमके अगले छह महीने तक बिना किसी हस्तक्षेप के नयी सरकार को देखेगी और उसके बाद कोई फैसला लेगी। स्टालिन ने संकेत दिया कि फिलहाल डीएमके राज्य में ना तो संवैधानिक संकट चाहती है और ना ही जल्द दोबारा चुनाव। उन्होंने कहा कि नई सरकार को उनकी सरकार की शुरू की गई योजनाओं को जारी रखना चाहिए और टीवीके के चुनावी वादों को भी पूरा करना चाहिए। एम के स्टालिन ने विजय को मुख्यमंत्री बनाने की बात कह कर एक नैतिक साहस दिखाया है।

महिला आरक्षण पर राजनीतिक दलों का दोहरा चरित्र

> राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि महिला सशक्तीकरण केवल भाषणों और घोषणाओं से नहीं आएगा, बल्कि वास्तविक प्रतिनिधित्व और समान अवसरों से आएगा। कथनी और करनी के इस अंतर को समाप्त किए बिना महिला आरक्षण का सपना अधूरा ही रहेगा।

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबनाओं में से एक यह है कि जिस देश में महिलाओं को "शक्ति", "मातृशक्ति" और "आधी दुनिया" कहकर सम्मानित किया जाता है, वहीं राजनीति में उन्हें समान भागीदारी देने के प्रश्न पर लगभग सभी राजनीतिक दलों की नीयत संदिग्ध दिखाई देती है। संसद से लेकर चुनावी मंचों तक महिला आरक्षण के समर्थन में बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जब उम्मीदवारों को टिकट देने का समय आता है, तब अधिकांश दल महिलाओं को हाशिये पर धकेल देते हैं। हालिया विधानसभा चुनावों ने इस विरोधाभास को एक बार फिर उजागर कर दिया है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी के विधानसभा चुनावों में राजनीतिक दलों द्वारा महिलाओं को दिए गए टिकटों का आंकड़ा यह बताने के लिए पर्याप्त है कि महिला प्रतिनिधित्व को लेकर दलों की कथनी और करनी में कितना बड़ा अंतर है। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर संसद में जोरदार राजनीतिक संघर्ष देखने को मिला, लेकिन उन्हीं दलों ने चुनावी मैदान में महिलाओं को पर्याप्त अवसर देने में उत्साह नहीं दिखाया। यह केवल राजनीतिक रणनीति नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक नैतिकता का भी प्रश्न है। सबसे अधिक चर्चा पश्चिम बंगाल चुनाव की रही। भारतीय जनता पार्टी ने 294 सीटों में से केवल लगभग 33 महिलाओं को टिकट दिए, जबकि तृणमूल कांग्रेस ने 291 सीटों पर करीब 52 महिलाओं को उम्मीदवार बनाया। यह संख्या कुल टिकटों का लगभग दस प्रतिशत ही बैठती है। तमिलनाडु में भी स्थिति बहुत अलग नहीं रही। सत्ता परिवर्तन के दावे करने वाले दलों ने महिलाओं को सीमित अवसर दिए। असम और केरल जैसे राज्यों में भी राजनीतिक दलों ने महिलाओं को प्रतीकात्मक उपस्थिति से आगे नहीं बढ़ने दिया। परिणाम यह हुआ कि कुल निर्वाचित प्रतिनिधियों में महिलाओं की संख्या अत्यंत कम रही। यह स्थिति तब है, जब देश की लगभग आधी आबादी महिलाएं हैं। दरअसल भारतीय राजनीति लंबे समय से पुरुष प्रधान मानसिकता से संचालित होती रही है। राजनीतिक दल महिलाओं को अक्सर "सुरक्षित" या "कमजोर" उम्मीदवार मानते हैं। उन्हें यह भय रहता है कि महिला प्रत्याशी चुनावी संघर्ष, धनबल, बाहुबल और जातीय समीकरणों के बीच प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर पाएंगी। यही कारण है कि अधिकांश दल महिलाओं को उन्हीं सीटों पर टिकट देते हैं जहां उनकी जीत की संभावना कम होती है या जहां केवल प्रतीकात्मक उपस्थिति दर्ज करानी होती है। विडंबना यह भी है कि जो राजनीतिक दल संसद में महिला आरक्षण के पक्ष में जोरदार भाषण देते हैं, वे अपने संगठनात्मक ढांचे में भी महिलाओं को निर्णायक स्थान देने से बचते हैं। अधिकांश राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के शीर्ष नेतृत्व पर पुरुषों का वर्चस्व है। महिलाओं को प्रायः महिला मोर्चा, सांस्कृतिक कार्यक्रम या सामाजिक अभियानों तक सीमित कर दिया जाता है। निर्णय लेने वाली समितियों और रणनीतिक पदों पर उनकी भागीदारी बेहद कम दिखाई देती है। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने विशेष सत्र बुलाकर राजनीतिक संदेश देने का प्रयास किया था। विपक्ष पर महिलाओं के हितों की अनदेखी का आरोप लगाया गया। लेकिन सवाल यह है कि यदि वास्तव में महिलाओं के राजनीतिक सशक्तीकरण को लेकर गंभीर इच्छाशक्ति होती, तो बिना किसी संवैधानिक बाध्यता के भी दल अपने स्तर पर अधिक महिलाओं को टिकट दे सकते थे। आखिर किसने रोका था कि भाजपा, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक या अन्य दल कम से कम 33 प्रतिशत महिलाओं को उम्मीदवार बनाते? स्पष्ट है कि महिला आरक्षण का मुद्दा कई बार वास्तविक सामाजिक प्रतिबद्धता से अधिक राजनीतिक लाभ का माध्यम बन जाता है।

हालांकि यह भी स्वीकार करना होगा कि राजनीति में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील और मानवीय बना सकती है। विश्व के अनेक देशों के अनुभव बताते हैं कि जहां महिलाओं की राजनीतिक उपस्थिति बढ़ी है, वहां शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, जल संरक्षण, बाल सुरक्षा और सामाजिक कल्याण जैसे विषयों को अधिक प्राथमिकता मिली है। भारत में पंचायत स्तर पर महिला आरक्षण के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। अनेक महिला सरपंचों और जनप्रतिनिधियों ने गांवों में शिक्षा, स्वच्छता और महिला सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे लोकतंत्र अधिक समावेशी बनता है। महिलाओं की उपस्थिति केवल संख्या का प्रश्न नहीं, बल्कि दृष्टिकोण का भी प्रश्न है। महिलाएं समाज के उन अनुभवों और समस्याओं को सामने लाती हैं, जिन्हें पुरुष प्रधान राजनीति अक्सर नजरअंदाज कर देती है। घरेलू हिंसा, मातृत्व स्वास्थ्य, कार्यस्थल सुरक्षा, बालिका शिक्षा और लैंगिक समानता जैसे मुद्दों को मजबूती तभी मिलती है, जब निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी हो। लेकिन दूसरी ओर कुछ चुनौतियां भी हैं, जिनकी चर्चा आवश्यक है। कई बार राजनीतिक दल केवल औपचारिकता निभाने के लिए महिलाओं को टिकट देते हैं। ऐसे मामलों में वास्तविक सत्ता उनके परिवार के पुरुष सदस्यों के हाथ में रहती है। पंचायतों में "सरपंच पति" जैसी प्रवृत्तियां इसका उदाहरण हैं। राजनीति में वंशवाद और परिवारवाद के कारण भी कई योग्य महिलाएं अवसर से वंचित रह जाती हैं, जबकि राजनीतिक परिवारों से जुड़ी महिलाओं को अपेक्षाकृत आसान प्रवेश मिल जाता है। इसलिए केवल आरक्षण पर्याप्त नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रशिक्षण, आत्मनिर्भरता और स्वतंत्र नेतृत्व क्षमता का विकास भी आवश्यक है। एक अन्य चुनौती चुनावी राजनीति का बढ़ता अपराधीकरण और अत्यधिक खर्च है। भारतीय राजनीति में चुनाव लड़ना अत्यंत महंगा और संघर्षपूर्ण हो गया है। धनबल और बाहुबल की संस्कृति महिलाओं की भागीदारी को सीमित करती है। सामाजिक रूढ़ियां भी बड़ी बाधा हैं। आज भी अनेक परिवार राजनीति को महिलाओं के लिए "उपयुक्त क्षेत्र" नहीं मानते। देर रात की राजनीतिक गतिविधियां, सार्वजनिक आलोचना और चरित्र हनन की आशंकाएं भी महिलाओं को राजनीति से दूर करती हैं। सवाल यह भी है कि क्या केवल आरक्षण से समस्या हल हो जाएगी? संभवतः नहीं। आरक्षण एक आवश्यक शुरुआत हो सकता है, लेकिन इसके साथ सामाजिक सोच में परिवर्तन भी जरूरी है। राजनीतिक दलों को अपने संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को निर्णायक भूमिका देनी होगी।

■ ललित गर्ग

इसलिए पार्टी अब...

अशोक भाटिया

भारी विरोध के बावजूद भाजपा कैसे जीतेगी पंजाब में ?

पं. बंगाल, असम, पुडुचेरी में भारी जीत के बाद भाजपा के हौंसले बुलंद है और जीत का झंडा पंजाब में लहराने का मन बना रही भाजपा के लिए पंजाब टेढ़ी खीर से कम नहीं। 2027 में पंजाब में विधानसभा चुनाव है और ऐसे में भाजपा पंजाब का किला भेदने की हर कोशिश में जुटी है लेकिन क्या भाजपा से नाराज चल रहा पंजाब का एक बड़ा गुट,पार्टी को माफ करेगा,क्या इस बार बंगाल की तरह भाजपा पंजाब में भी कमल खिलाएगी ? क्या आम आदमी पार्टी और कांग्रेस भाजपा के रणनीति का शिकार होंगे ? सवाल कई है दरअसल इस समय भाजपा नेतृत्व इसे अगले संभावित "डोमिनो" के रूप में देख रहा है— ऐसा राज्य जहां राजनीतिक अस्थिरता और विपक्षी दलों की कमजोरी उसे नई संभावनाएं दे सकती है। इसी सोच के तहत भाजपा ने एक बड़ा रणनीतिक फैसला लिया है। पार्टी ने संकेत दे दिए हैं कि वह 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी, यानी किसी क्षेत्रीय सहयोगी के सहारे नहीं। डोमिनो प्रभाव एक ऐसी श्रृंखला प्रतिक्रिया है, जहां एक घटना या क्रिया अपने समान अन्य घटनाओं की एक श्रृंखला को जन्म देती है, ठीक वैसे ही जैसे एक के बाद एक रखे गए डोमिनो टाइल्स के गिरने से पूरी कतार गिर जाती है। यह अवधारणा बताती है कि कैसे एक छोटा सा बदलाव या शुरुआती घटना बहुत बड़े और व्यापक परिणाम पैदा कर सकती है। वैसे देखा जाय तो पंजाब में भाजपा की मौजूदगी नई नहीं है। आज़ादी के बाद से ही पार्टी (और उससे पहले भारतीय जनसंघ) राज्य की राजनीति में सक्रिय रही है। लेकिन लंबे समय तक उसका प्रभाव मुख्यतः शहरी हिंदू वोटरों और व्यापारिक वर्ग तक सीमित रहा।1992 से पहले जब भाजपा अकेले चुनाव लड़ती थी, तब उसका औसत वोट शेयर लगभग 6-7% के बीच रहता था। 1997 में शिरोमणि अकाली दल के साथ गठबंधन के बाद यह बढ़कर लगभग 8% तक पहुंचा।हालांकि गठबंधन ने भाजपा को सत्ता में भागीदारी तो दी, लेकिन उसका राजनीतिक विस्तार सीमित ही रहा। अकाली दल 94 सीटों पर चुनाव लड़ता था जबकि भाजपा के हिस्से केवल 23 सीटें आती थीं। भाजपा के कई नेताओं का मानना था कि इस "जूनियर पार्टनर मॉडल" ने पार्टी को पंजाब में स्वतंत्र पहचान बनाने से रोक दिया 2020 में कृषि कानूनों के खिलाफ हुए व्यापक आंदोलन ने पंजाब की राजनीति को पूरी तरह बदल दिया। किसानों के तीखे विरोध के बीच अकाली दल ने एनडीए से अलग होने का फैसला लिया।राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यही वह मोड़ था जिसने भाजपा को पंजाब में "नई शुरुआत" का अवसर दिया। गठबंधन टूटने के बाद भाजपा अब अपने संगठनात्मक विस्तार और नए सामाजिक समीकरणों पर खुलकर काम कर पा रही है।इसी वर्ष मार्च में अमित शाह ने मोगा की "बदलाव रैली" में अकेले चुनाव लड़ने का संकेत देकर स्पष्ट कर दिया कि भाजपा अब पंजाब में सहायक दल नहीं, बल्कि मुख्य शक्ति बनने की रणनीति पर काम कर रही है। भाजपा की रणनीति केवल संगठन विस्तार तक सीमित नहीं है। पार्टी यह भी मान रही है कि पंजाब की मौजूदा राजनीति में एक "राजनीतिक खालीपन" बन रहा है। आम आदमी पार्टी 2022 में भारी बहुमत के साथ सत्ता में आई थी, लेकिन अब उसे आंतरिक असंतोष और नेतृत्व संबंधी सवालों का सामना करना पड़ रहा है। राज्यसभा सांसदों के इस्तीफे और मुख्यमंत्री भगवंत मान पर लगे व्यक्तिगत आरोपों ने विपक्ष को सरकार पर हमला करने का अवसर दिया है।हालांकि AAP अब भी पंजाब में एक मजबूत शक्ति है, लेकिन भाजपा यह मानती है कि शहरी वर्ग और गैर-पारंपरिक मतदाता धीरे-धीरे विकल्प तलाश सकते हैं। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस भी पंजाब में लंबे समय से आंतरिक खींचतान से जूझ रही है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी द्वारा दलित प्रतिनिधित्व का मुद्दा उठाना और राहुल गांधी का राज्य इकाई को "टीम की तरह काम करने" की सलाह देना इस बात का संकेत है कि पार्टी के भीतर नेतृत्व और संगठन को लेकर असहमति बनी हुई है। कभी पंजाब की राजनीति का सबसे प्रभावशाली क्षेत्रीय दल माना जाने वाला अकाली दल भी अब अपने सबसे कठिन दौर से गुजर रहा है। कृषि कानूनों के मुद्दे और लगातार चुनावी झटकों ने उसके जनाधार को कमजोर किया है। भाजपा को लगता है कि अकाली दल के कमजोर होने से जो राजनीतिक स्पेस खाली हुआ है, उसे वह भर सकती है। पंजाब में भाजपा की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि राज्य की राजनीति परंपरागत रूप से सिख-पंथक और क्षेत्रीय मुद्दों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। इसलिए पार्टी अब "सोशल इंजीनियरिंग" मॉडल पर काम कर रही है।राज्य में अनुसूचित जाति (SC) आबादी लगभग 32% है, जो देश में सबसे अधिक अनुपातों में से एक है। इसके अलावा 25-30% आबादी ओबीसी वर्ग से जुड़ी मानी जाती है। भाजपा अब इन वर्गों में अपनी पैठ मजबूत करने की कोशिश कर रही है।

बड़े पैमाने पर...

डॉ.परकाला प्रभाकर

चुनावी नतीजों से अधिक महत्वपूर्ण हैं हटाए गए मतदाता

भारत में विपक्षी दल या तो भोले हैं या फिर हमें इस नतीजे पर पहुंचना होगा कि 'वोट चोरी' का नारा लगाते समय वास्तव में वे ईमानदार नहीं हैं। अगर वे वाकई 'वोट चोरी' और बड़े पैमाने पर लक्षित मतदाता सूची से नाम हटाने की बात पर यकीन करते हैं तो वे इन फर्जी चुनावों में हिस्सा क्यों ले रहे हैं और उन विधानसभाओं में क्यों बैठे हैं जिनका चुनाव 'वोट चोरी' और मतदाता सूची से नाम हटाने के आधार पर हुआ है? यह तर्क उचित है कि चुनावों में निष्पक्षता और उचित प्रक्रिया पर उठ रहे गंभीर सवालों के मद्देनजर पूरे विपक्ष को चुनावों का बहिष्कार करना चाहिए और लोकसभा व सभी राज्य विधानसभाओं से इस्तीफा दे देना चाहिए। इससे जनता की नजरों में भाजपा की वैधता खत्म हो जाएगी। ममता बनर्जी के रुख के बारे में बात करें। अगर वे वाकई घोषित जनादेश को अस्वीकार करने को लेकर गंभीर हैं और इस्तीफा देने से इंकार करती हैं तो इसका मतलब है कि वे नवगठित विधानसभा को मान्यता नहीं देतीं जिसका सीधा मतलब है कि वे निवर्तमान विधानसभा को अभी भी वैध मानती हैं। ऐसे में उन्हें यह कहना चाहिए कि इस अवैध चुनाव में चुने गए उनके दल के सभी लोग सदन से इस्तीफा दे दें और उनका इस्तीफा दिलवा देना चाहिए। तब ममता का दावा मजबूत लगेगा। अगर आप कहें कि 'मेरी पार्टी के विजेता ठीक हैं लेकिन आपकी पार्टी के विजेता अवैध रूप से चुने गए हैं', तो इससे उनके इस दावे के बारे में क्या पता चलता है? अगर वे जीत भी जातीं तो भी नतीजों को अस्वीकार करना ही सही तर्क होता क्योंकि चाहे कोई भी जीता हो या हारा हो, 93 लाख वोटों को रद्द करना और 27 लाख लोगों को मतदान के अधिकार से वंचित करना पूरी प्रक्रिया को बिगाड़ देता है। अगर यही उनका रुख होता तो इसे वास्तविक माना जाता और उनके इस रुख को पूरे भरोसे के साथ लिया गया कदम समझा जाता। दुर्भाग्य से अब उन पर हार को स्वीकार न करने का आरोप लग सकता है। बड़े पैमाने पर वोटों को रद्द किए जाने और 'विचाराधीन श्रेणी' के मतदाताओं की बड़ी तादाद को वोट डालने से रोके जाने के बाद अब समय आ गया है कि सभी विपक्षी दल एक साथ बैठें और गंभीरता से विचार करें। बिहार और राहुल गांधी के नेतृत्व में हुई 'वोट अधिकार' यात्रा पर विचार करें। इस यात्रा को 'हमारे लोकतंत्र के सबसे पवित्र अधिकार 'मतदान के अधिकार की रक्षा' के लिए एक सामूहिक लड़ाई' के रूप में वर्णित किया गया था। इस यात्रा ने 1,300 किलोमीटर से अधिक की दूरी और 20 से अधिक जिलों को कवर किया जिसका उद्देश्य 'मतदाता सूची में हेरा-फेरी को उजागर करना और चुनाव आयोग से त्रुटिरहित मतदाता सूचियों की मांग करना' था।

जरा हटके

गांव स्तर पर कृषि...

अमरपाल सिंह वर्मा

राजस्थान में गेहूं की खेती महंगा सौदा क्यों?

राजस्थान में गेहूं पैदा करना अब किसानों के लिए लगातार महंगा सौदा बन गया है। हालात ऐसे हैं कि एक तरफ खेती की लागत तेजी से बढ़ रही है और दूसरी तरफ किसानों की बचत उसी अनुपात में नहीं बढ़ पा रही। केंद्रीय कृषि मंत्रालय के विपणन अनुमान 2025 के आंकड़ों से इस समस्या की गंभीरता साफ दिखाई देती है। बड़ा सवाल है कि निरंतर बढ़ती लागत को किसान कैसे और कब तक झेल पाएंगे? आंकड़ों के मुताबिक राजस्थान में एक क्विंटल गेहूं पैदा करने की लागत करीब 1488 रुपये तक पहुंच चुकी है। वहीं पंजाब में यही लागत लगभग 905 रुपये है, यानी राजस्थान का किसान पंजाब के किसान की तुलना में करीब 64 प्रतिशत ज्यादा खर्च करके गेहूं उगा रहा है। यह सिर्फ आंकड़ों का अंतर नहीं है बल्कि उन मुश्किल परिस्थितियों की हकीकत है जिसे झेल कर राजस्थान का किसान खेती कर रहा है। देश में गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी सभी राज्यों के लिए एक समान तय किया जाता है। इस साल गेहूं का एमएसपी 2585 रुपये प्रति क्विंटल रखा गया है। सुनने में यह व्यवस्था बराबरी वाली लगती है लेकिन समस्या इसलिए पैदा होती है क्योंकि खेती की लागत हर राज्य में अलग-अलग है। पंजाब और हरियाणा में बेहतर सिंचाई व्यवस्था, मजबूत कृषि ढांचा और ज्यादा उत्पादन होने के कारण किसानों की लागत अपेक्षाकृत कम रहती है। वहीं राजस्थान का किसान कम पानी, महंगी सिंचाई और बढ़ती मजदूरी के बीच खेती करने को मजबूर है। ऐसे में समान एमएसपी होने के बावजूद उसकी वास्तविक बचत काफी कम रह जाती है। राजस्थान में पानी की कमी खेती की सबसे बड़ी चुनौती है। प्रदेश के कई इलाकों में किसान पूरी तरह ट्यूबवेल और भूमिगत जल पर निर्भर हैं। भूजल लगातार नीचे जा रहा है और सिंचाई के लिए बिजली तथा डीजल पर खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है। गेहूं को समय पर और कई बार सिंचाई चाहिए, बिजली और डीजल के खर्च के कारण यह सिंचाई स्वाभाविक रूप से यहां ज्यादा महंगी पड़ती है। इसके मुकाबले पंजाब में वर्षों से नहरों और भूजल आधारित सिंचाई का मजबूत नेटवर्क किसानों को राहत देता रहा है। श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों के ज्यादातर इलाकों में नहरों का जाल बिछा हुआ है लेकिन यहां भी फसलों की जरूरत के समय नहर बंदी समस्या पैदा करती है। खेती की लागत बढऩे में मजदूरी भी बड़ा कारण बन रही है। पिछले कुछ वर्षों में राजस्थान में कृषि मजदूरी तेजी से बढ़ी है। गांवों से मजदूरों का शहरों की ओर पलायन बढऩे के कारण खेती के समय मजदूर आसानी से उपलब्ध नहीं होते। मजबूरन, किसानों को ज्यादा दिहाड़ी देकर मजदूर बुलाने पड़ते हैं। छोटे किसानों के लिए यह खर्च और ज्यादा भारी साबित होता है। मशीनों का खर्च भी लगातार बढ़ रहा है। ट्रैक्टर, कम्बाइन और अन्य कृषि उपकरणों का किराया पहले की तुलना में काफी महंगा हो चुका है। डीजल के बढ़ते दामों ने इस बोझ को और बढ़ा दिया है। जिन किसानों के पास कम जमीन है, उनके लिए मशीनों की लागत उत्पादन के अनुपात में और ज्यादा पड़ती है। यही वजह है कि सिर्फ गेहूं ही नहीं, बल्कि सरसों, चना और जौ जैसी फसलों की लागत भी लगातार ऊपर जा रही है। यहां यह उल्लेखनीय है कि राजस्थान सरकार ने किसानों को राहत देने के लिए गेहूं पर 150 रुपये प्रति क्विंटल बोनस देना शुरू किया है। यह कदम निश्चित रूप से सराहनीय है क्योंकि इससे किसानों को कुछ आर्थिक सहारा मिलता है लेकिन जिस तेजी से खेती की लागत बढ़ रही है, उसे देखते हुए यह राहत कम ही है। कई किसानों का मानना है कि सरकार को बोनस राशि बढ़ाने पर भी विचार करना चाहिए ताकि उन्हें वास्तविक राहत मिल सके। केवल बोनस से समस्या का पूरा समाधान संभव नहीं है। इसके साथ ऐसी नीतियां बनाने की भी जरूरत है जो खेती की लागत कम कर सकें। असल जरूरत यह है कि राजस्थान जैसे राज्यों की खेती को उनकी भौगोलिक परिस्थितियों के हिसाब से समझा जाए। यहां पानी सबसे महंगा संसाधन बन चुका है, इसलिए सिंचाई को सस्ता बनाने पर सबसे ज्यादा ध्यान देना होगा। ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों पर ज्यादा अनुदान दिया जाना चाहिए। सोलर पंपों को तेजी से बढ़ावा मिलना चाहिए ताकि किसान डीजल और महंगी बिजली के खर्च से बच सकें। गांव स्तर पर कृषि मशीन बैंक भी समय की बड़ी जरूरत बन चुके हैं। अगर अधिकाधिक किसानों को कम किराये पर ट्रैक्टर, रीपर और दूसरी मशीनें आसानी से उपलब्ध हो जाएं तो उनका खर्च काफी कम हो सकता है। छोटे किसानों के लिए तो यह व्यवस्था विशेष रूप से फायदेमंद साबित हो सकती है। इसके साथ कृषि विश्वविद्यालयों को ऐसी किस्में विकसित करने पर भी काम करना होगा जो कम पानी और कम उर्वरक में अच्छा उत्पादन दे सकें। सरकार को चाहिए कि वह डीजल, बीज, उर्वरक और कीटनाशकों पर भी राहत दे। कई बार किसान फसल बोने से पहले ही कर्ज के बोझ में दब जाता है। ऐसे में यदि इनपुट लागत कम हो तो खेती कुछ हद तक राहत दे सकती है। ग्रामीण स्तर पर खरीद केंद्र और भंडारण सुविधाएं बढ़ाने से भी किसानों का परिवहन खर्च कम किया जा सकता है।

80 साल के बुजुर्ग की मौत, आधे घंटे तक सुनाई दी धमाके की आवाज, 12 गाड़ियां जली

एसी सर्विस सेंटर में लगी आग

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में एयर कंडीशनर सर्विस सेंटर में आग लग गई। आग देखते ही देखते तीन मंजिला बिल्डिंग में फैल गई। एसी के कंप्रेसर और एसी गैस के सिलेंडर में ब्लास्ट होने लगे। आधे घंटे तक धमाके की आवाज सुनाई देती रही। ब्लास्ट की आवाज सुनकर पड़ोस में रहने वाले लोगों ने फौरन फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलने के थोड़ी देर बाद ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। लोगों से घटना की जानकारी ली। उसके बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। इस हादसे में एक 80 साल के बुजुर्ग की

जिंदा जलकर मौत हो गई। फायर ब्रिगेड की 8 गाड़ियों ने करीब डेढ़ घंटे तक ऑपरेशन चलाया तब जाकर आग पर काबू पाया जा सका। हादसे में 12 गाड़ियां जली हैं। घटना शनिवार तड़के पटेलनगर थाना क्षेत्र की है। फायर ब्रिगेड की टीम बिल्डिंग में दाखिल हुई। अंदर जाकर देखा तो वहां रखी कई एसी जलकर पूरी तरह राख हो गई थी। थोड़ी ही दूर पर एक 80 साल के व्यक्ति की लाश पड़ी थी। जो पूरी तरह से झुलसा हुआ था। उसका शव बाहर निकाला गया। बाहर खड़े लोगों ने उसकी पहचान की। अंदर धुंआ भरा हुआ था। इससे ऑपरेशन में दिक्कत आई। अंदर एक 80 साल के बुजुर्ग की लाश मिली। उनकी पहचान त्रिलोकीनाथ के रूप में हुई है। जलने से उनकी मौत हुई है। तीन मंजिला बिल्डिंग के नीचे कई गाड़ियां खड़ी थी। जिसमें से 2 कार और 10 बाइक कुल 12 गाड़ियां जली हुई हालत में मिली हैं। आग पर काबू पाने में डेढ़ घंटे का समय लगा।

तड़के 3 बजे लगी थी आग

तड़के 3 बजे सर्विस सेंटर के अंदर से तेज धमाके की आवाज सुनाई पड़ी। बाहर जाकर देखा तो सर्विस सेंटर से आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठ रही थी। चारों तरफ धुंआ ही धुंआ दिखाई दे रहा था। थोड़ी -थोड़ी देर पर अंदर से गैस सिलेंडर और कम्प्रेसर फटने की आवाज सुनाई पड़ रही थी। फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची तब तक जलकर बुजुर्ग की हो चुकी थी मौत इसके बाद फौरन फायर ब्रिगेड को फोन करके आग लगने की सूचना दी गई। थोड़ी ही देर में फायर ब्रिगेड की 8 गाड़ियां मौके पर पहुंची। आग बुझाने का काम शुरू किया।

स्थानीय लोगों के अनुसार- पटेलनगर में तीन मंजिला बिल्डिंग में ओमकार तोमर की एयर कंडीशनर सर्विस सेंटर है। शुक्रवार को मालिक दुकान बंद करके रात में अपने घर चला गया था। वहां पर रखवाली करने के लिए एक 80 साल का कर्मचारी रोज की तरह रात में रुका था।

सीएफओ ने आसपास के स्टेशनों से बुलाई गाड़ियां

सीएफओ गाजियाबाद राहुल पाल ने बताया- तड़के 2:40 के करीब फायर ब्रिगेड को आग लगने की सूचना मिली। थोड़ी ही देर में टीम मौके पर पहुंच गई। वैशाली, साहिबाबाद और मोदीनगर से फायर ब्रिगेड की 8 गाड़ियां बुलाई गई। उसके बाद फायरकर्मी बिल्डिंग में घुसे। आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठ रही थी।

थाना समाधान दिवस में डीएम व एसपी ने सुनी जनसमस्याएं

भूमि विवादों के त्वरित, गुणवत्तापूर्ण एवं मौके पर जाकर निस्तारण के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। जनपद के थाना समाधान दिवस के अंतर्गत जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने थाना सफदरगंज पहुंचकर आमजन की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत लंबित एवं प्रमुख भूमि विवादों को चिन्हित करते हुए आपसी समन्वय के साथ मौके पर जाकर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े। थाना समाधान दिवस के दौरान प्राप्त विभिन्न प्रार्थना पत्रों के संबंध में अधिकारी द्वय द्वारा राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीमों को मौके पर भेजकर प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए। इस दौरान जॉइंट मजिस्ट्रेट/एसडीएम नवाबगंज सुश्री गुंजिता अग्रवाल, तहसीलदार नवाबगंज, प्रभारी निरीक्षक थाना सफदरगंज सहित अन्य संबंधित राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

फास्ट न्यूज

युवक श्मशान घाट पर घायल मिला

संभल। सम्भल में एक युवक को कथित तौर पर नशीला पदार्थ पिलाकर जलाने का मामला सामने आया है। थाना राय सत्ती क्षेत्र के मिया सराय निवासी सूफियान पुत्र शरीफ ने अपने दोस्त राहिल पुत्र हुसैन पर यह गंभीर आरोप लगाया है। परिजनों ने आरोपी पक्ष पर समझौते का दबाव बनाने का भी आरोप लगाया है। पीड़ित सूफियान ने बताया कि उसका दोस्त राहिल शुक्रवार रात करीब आठ बजे उसे घर से अपने साथ ले गया था।

जिस कारोबारी को पीटकर मार डाला उसके गांव में सन्नाटा

वाराणसी। वाराणसी में कारोबारी मनीष सिंह (38) को मामूली विवाद में पीट-पीटकर मार डाला गया। घटना को 13 दिन बीत चुके हैं, लेकिन तनाव इतना कि फूलपुर इलाके का पूरा घमहापुर गांव अब भी छावनी बना है। गांव की गलियों में सन्नाटा है, फोर्स हर गली-नुक्कड़ और चौराहे पर तैनात है। तीन मुख्य आरोपी कोर्ट में सरेंडर एप्लीकेशन देकर फरार हैं। वहीं, मृतक का घर चीख-पुकार और न्याय की उम्मीद से गूंज रहा है। आश्वासन के बाद एक्शन की आस में कारोबारी की पत्नी की आंखों से आंसू बह रहे हैं।

गोली लगने से दूल्हे के चाचा की मौत

झांसी। झांसी में गोली लगने से दूल्हे के चाचा की मौत हो गई। दुल्हन घर पर आई थी। नशे में धुत चचेरा भाई खुशी में तमंचे से फायरिंग कर रहा था। तभी एक गोली दूल्हे के चाचा के सीने में जा लगी। इससे वो बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े। परिजन आनन फानन में उनको मेडिकल कॉलेज ले गए। जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर आरोपी को हिरासत में ले लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

दालमंडी में फिर बुलडोजर पहुंचा, 45 मकान ढहाए जा रहे

वाराणसी में अफसरों ने मुनादी कराई, 300 पुलिसकर्मी तैनात

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी के दालमंडी में एक बार फिर बुलडोजर पहुंचा है। शनिवार यानी आज करीब 45 मकानों को तोड़ा जा रहा है। कार्रवाई के पहले पूरे एरिया को पुलिस छावनी में तब्दील कर दी गई है। करीब 300 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। पीडब्ल्यूडी अफसरों ने मकानों को तोड़े जाने के लिए गुरुवार रात में मुनादी कराई थी। दुकानदारों और मकान मालिकों को दोपहर 12 बजे से पहले अपने घरों-दुकानों के सामान निकालने को कहा था। बीते दिनों वाराणसी दौरे पर पहुंचे सीएम योगी ने भी दालमंडी प्रोजेक्ट की समीक्षा करते हुए इसमें तेजी लाने का निर्देश दिया था। दरअसल, दालमंडी में 650 मीटर लंबी सड़क को 17.4 मीटर चौड़ा

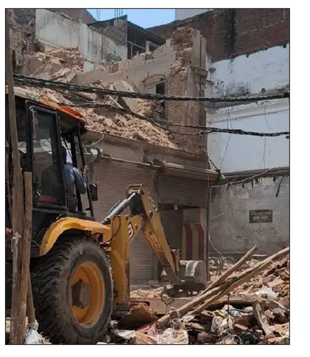

किया जाना है। इसके लिए कुल 187 प्रॉपर्टी चिह्नित की गई थी। इनमें 181 मकान और 6 मस्जिदें हैं। यहां करीब 1400 दुकानें भी थीं। पहली बार 29 अक्टूबर 2025 को PWD ने मकान तोड़ना शुरू किया। अब तक कुल 60 मकान तोड़े जा चुके हैं। अभी भी 121 मकान और 6 मस्जिदें बची हैं। आज 45 मकान तोड़ने के लिए बुलडोजर चल रहा है। फिलहाल मस्जिदों को तोड़ा नहीं जा रहा है। बताया जा रहा कि उसे लास्ट में तोड़ा जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था में करीब 300 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। पुलिस जवान हेलमेट और सेफ्टी गार्ड जैकेट पहनकर मौके पर डटे हैं, जबकि आसपास के रास्तों पर बैरिकेडिंग कर आवाजाही नियंत्रित की गई है। पीडब्ल्यूडी की टीम भारी मशीनों के साथ कार्रवाई में जुटी है और लोगों को पहले ही घर-दुकानों से सामान हटाने के निर्देश दिए गए थे। दालमंडी में सड़क चौड़ीकरण के लिए कुल 187 प्रॉपर्टी चिह्नित की गई थी। इनमें 181 मकान और 6 मस्जिदें हैं। पहली बार 29 अक्टूबर 2025 को PWD ने मकान तोड़ना शुरू किया। अब तक कुल 60 मकान तोड़े जा चुके हैं।

यूपी के 17 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

लखनऊ में 4 फ्लाइट्स कैंसिल, 2 दिन भीषण गर्मी पड़ेगी, पारा 45डिग्री सेल्सियस पार पहुंचेगा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज/कानपुर। यूपी में आंधी-बारिश का सिलसिला जारी है। शनिवार को पूर्वांचल के 17 जिलों में बारिश का अलर्ट है। इस दौरान 50 किमी. की रफ्तार से हवा भी चल सकती है। पश्चिम यूपी समेत बाकी इलाकों में सुबह से मौसम साफ है। तेज धूप निकली है। ठंडी हवाओं ने गर्मी से राहत दिलाई। मौसम विभाग का कहना है कि मौजूदा पश्चिमी विक्षोभ अब कमजोर पड़ रहा है। आज इसका असर पूरी तरह खत्म हो जाएगा। इसके बाद 3 दिन तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी। पारा 5-6°C तक उछलकर फिर से 45°C के पार पहुंच सकता है। इससे प्रचंड गर्मी पड़ेगी। हालांकि, फिलहाल लू से राहत बरकरार रहेगी। पिछले 24 घंटे की बात करें तो आगरा, जालौन, ललितपुर और मऊ में तेज हवा के साथ बारिश हुई। मऊ में ओले भी गिरे। ललितपुर में कई

शादी समारोहों की व्यवस्थाएं बिगड़ गई। इसके अलावा, लखनऊ, कानपुर, नोएडा, गाजियाबाद समेत ज्यादातर शहरों में मौसम साफ रहा। वाराणसी सबसे गर्म रहा, जहां अधिकतम तापमान 39°C दर्ज किया गया। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया- प्रदेश में 30 अप्रैल से चल रहे बारिश के सिलसिले पर अब ब्रेक लग जाएगा। इससे तापमान बढ़ेगा। गर्मी अपने तेवर दिखाएगी। हालांकि, लू से राहत बरकरार रहेगी। लगातार बारिश की वजह से अधिकतम तापमान 9°C तक गिर गया है।

अगले 5 दिन कैसा रहेगा मौसम?

- 10 मईः पूर्वी और पश्चिमी यूपी में मौसम शुष्क रहेगा। बादल छाए रहेंगे। गर्मी बढ़ेगी।
- 11 मईः पूरे प्रदेश में मौसम साफ रहेगा। तेज धूप निकलेगी। दिन का पारा चढ़ेगा।
- 12 मईः पूर्वी और पश्चिमी यूपी में गरज-चमक के साथ बारिश होगी। तेज हवाएं चलेंगी।
- 13 मईः पूरे प्रदेश में बादए छाए रहेंगे। गरज-चमक के साथ बारिश होगी। आंधी चलेगी।
- 14 मईः तेज हवा के साथ पूरे प्रदेश में बारिश होगी। कहीं-कहीं ओले और बिजली भी गिर सकती है।

बिहार, राजस्थान और मध्य प्रदेश में खराब मौसम की वजह से लखनऊ आने-जाने वाली 4 फ्लाइट्स कैंसिल करनी पड़ीं। पटना में खराब मौसम की वजह से कोलकाता से आए इंडिगो के विमान को लखनऊ डायवर्ट कर दिया गया। विमान पटना एयरपोर्ट पर लैंड नहीं कर सका और आसमान में चक्कर लगाता रहा। बाद में इसे लखनऊ में लैंड कराया गया।

नगर पंचायत बंकी के नामित सभासदो को उप जिलाधिकारी ने दिलाई शपथ

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। जनपद के तहसील नवाबगंज के सभागार में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी गूंजिता अग्रवाल ने एक सादे समारोह में नगर पंचायत बंकी के नामित सभासद देवराज त्रिपाठी सतीश जायसवाल बल्लू तथा रामू लोधी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य रूप से बंकी अध्यक्ष, प्रतिनिधि इमरान खान अधिशासी अधिकारी मोहिनी केसवानी साहित कार्यालय स्टाफ मौजूद था। शपथ ग्रहण के उपरांत नामित सभासद सतीश जायसवाल बल्लू देवराज त्रिपाठी तथा रामू लोधी ने संयुक्त रूप कहां की सरकार ने जिस मंशा के साथ हम लोगों को नामित किया है उस मंशा को पूरा करने का पूरा प्रयास होगा तथा बंकी की नगर पंचायत को विकास की दिशा आगे बढ़ाने के लिए अध्यक्षा का पूरा सहयोग किया जाएगा। चेयरमैन प्रतिनिधि इमरान खान ने कहा की नामित सभासदों के सहयोग से नगर पंचायत बंकी को और भी विकसित किया जाएगा।

अमेठी में द्वारपूजा के लिए फल लेने गए थे, दो बाइक टकराईं

बेटी की बारात दरवाजे पर थी, पिता-चाचा की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

अमेठी। अमेठी में बेटी की शादी से ठीक पहले पिता और चाचा की सड़क हादसे में मौत हो गई। शुक्रवार रात 8 बजे हादसा उस वक्त हुआ, जब बारात घर के दरवाजे पर खड़ी थी। बैंड पर बाराती दूल्हे के साथ नाच-गा रहे थे। द्वारपूजा और जयमाल की तैयारियां चल रही थीं। इसी दौरान, पंडित जी ने द्वारपूजा के लिए पिता से फल मांगे। घर में फल नहीं थे। परिवार के बाकी लोग काम में व्यस्त थे। ऐसे में पिता गौतम कुमार ने अपने रिश्ते के भाई आशाराम को बुलाया। कहा- बाइक निकालो, मार्केट से 5 मिनट में फल लेकर आते हैं। बाइक लेकर दोनों घर से 500 मीटर दूर ही पहुंचे थे कि एक दूसरी बाइक से आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों कई फीट दूर गिरे। घटना की सूचना घर पहुंची तो रिश्तेदार मौके पर पहुंचे।

- शादी की रस्मों के दौरान बेटी मनीषा का रो-रोकर बुरा हाल था। रिश्तेदार किसी तरह उसे संभाल रहे थे।
- पिता की मौत के बाद गमगीन माहौल में सिंदूरदान किया गया। बेटी इस दौरान लगातार रोए जा रही थी।

गौतम, मृतक पिता — आशाराम, मृतक

गौतम कुमार की पत्नी मंजीता ने रोते हुए बताया- घर में सात बेटियां और एक बेटा है। एक की शादी हो गई। अभी 6 बेटियां और बची हैं। मैं तो घर के काम में व्यस्त थी। वो फल लेने गए थे।

शादी की रस्मों के बीच मिली हादसे की खबर

परिजन ने बताया कि घर में शादी की रस्में चल रही थीं। सभी लोग पिता गौतम का इंतजार कर रहे थे, ताकि द्वारपूजा की रस्म शुरू की जा सके। इसी दौरान मौत की खबर आई। घर में कोहराम मच गया। बेटी मनीषा बेहोश होकर गिर पड़ी। बेटी की डोली उठने से पहले पिता की मौत की खबर ने पूरे घर को तोड़ दिया। हादसे की सूचना के बाद शादी की रस्में सादगी के साथ पूरी की गईं। फिर दुल्हन की विदाई कराई गई। बैंड-बाजा वापस कर दिया गया था।

प्रतापगढ़ जंक्शन पर यार्ड आधुनिकीकरण से ट्रेनों की गति-संचालन में आएगा सुधार

प्रतापगढ़। मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जंक्शन के यार्ड को अपग्रेड किया जाएगा। इससे यार्ड से होकर ट्रेनें स्पीड से प्लेटफार्म पर पहुंचेंगी और रवाना भी होंगी। यार्ड के सभी प्वाइंट्स व्यवस्थित किए जाएंगे। स्लीपर व नई पटरियां भी लगाई जाएंगी। ट्रैक पैकेजिंग भी होगी। इससे ट्रेनों का संचालन बेहतर होगा। बारिश से पहले यार्ड को बेहतर बनाने की तैयारी है। मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जंक्शन पर अमृत भारत स्टेशन के तहत कार्य चल रहा है। पुराने भवन को गिराकर नए भवन बनाए जा रहे हैं। यात्री सुविधाओं पर भी ध्यान है। एलईडी स्क्रीन, कोच संकेतक भी लग गए हैं। सीसीटीवी का कार्य प्रगति पर है। इसके अलावा ट्रेनों के संचालन नर भी विशेष ध्यान है। इसी के क्रम में जंक्शन के यार्ड को अपग्रेड किया जाएगा। यार्ड की स्क्रीनिंग करने के बाद स्लीपर व पटरी को बदला जाएगा। सभी प्वाइंट्स को बेहतर बनाया जाएगा। इससे ट्रेन की स्पीड बढ़ेगी।

पूजन : काशी में बीजेपी पदाधिकारियों ने मां गंगा को चढ़ाया 11 लीटर दूध, मृतक कार्यकर्ताओं को दी श्रद्धांजलि

70 साल बाद बनी भाजपा सरकार

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा द्वारा दशाश्वमेध घाट पर माँ गंगा का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजन एवं दुग्धाभिषेक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं, श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का नेतृत्व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अनूप जायसवाल ने किया। कार्यक्रम को सनातनी हिंदुओं के गौरव, आत्मसम्मान एवं सांस्कृतिक चेतना से जोड़ते हुए वक्ताओं ने इसे राष्ट्रभक्ति और सनातन संस्कृति के प्रति समर्पण का प्रतीक बताया। सोमनाथ विश्वकर्मा ने कहा कि गंगोत्री से गंगासागर तक भारतीय जनता पार्टी का परचम लहराया है तथा पश्चिम बंगाल में लगभग 70 वर्षों बाद सनातन संस्कृति एवं हिंदू समाज को नई स्वतंत्रता और सम्मान प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय नेतृत्व एवं उत्तर प्रदेश सरकार के नेतृत्व में राष्ट्रवाद और सनातन संस्कृति को नई ऊर्जा मिली है। उन्होंने देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल, बंगाल प्रभारी भूपेंद्र यादव एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि इन नेताओं के प्रयासों से राष्ट्रहित एवं सांस्कृतिक मूल्यों को सशक्त आधार प्राप्त हुआ है। अनूप जायसवाल ने कहा कि 70 साल से विपक्ष पश्चिम बंगाल पर राज कर रही थी वहां पर विकास के नाम पर कोई कार्य नहीं हुआ। उसे पूरे प्रदेश में देश विरोधी गतिविधियां हुई लेकिन अब बीजेपी की सनातन सरकार आई है अब वहां पर मां काली की पूजा होगी और दुर्गा पूजा में भव्य पंडाल बनेंगे और इस भव्यता से पूजा अर्चना होगी दंगा मुक्त प्रदेश होगा हम सभी कार्यकर्ताओं को यह पूरा विश्वास है आज हम मां गंगा से प्रार्थना करते हैं।

पश्चिम बंगाल में मृतक कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि दी

इस अवसर पर उन भाजपा कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई, जिन्होंने पश्चिम बंगाल में पार्टी संगठन को मजबूत करने और भाजपा का ध्वज स्थापित करने के लिए संघर्ष किया तथा अपने प्राणों का बलिदान दिया। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत कार्यकर्ताओं को नमन किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से धीरेंद्र शर्मा, शंकर जायसवाल, चन्द्र विजय सिंह, कुलदीप वर्मा, संजय गुप्ता, राहुल श्रीवास्तव, सुनील शर्मा उपस्थित रहे।

बड़ी संख्या में जुटे कार्यकर्ता और श्रद्धालु

दशाश्वमेध घाट पर आयोजित इस कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं के अलावा बड़ी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय लोग भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान गंगा आरती और वैदिक अनुष्ठानों का आयोजन भी किया गया। पूरे आयोजन के दौरान घाट पर धार्मिक उत्साह और राजनीतिक संदेश दोनों का मिश्रण देखने को मिला।

धूमधाम से मनाई गई महाराणा प्रताप जयंती, वीरता और राष्ट्रभक्ति को किया नमन

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। Maharana Pratap की जयंती शनिवार को तहसील रामनगर क्षेत्र के फतेहपुर मार्ग स्थित किशुनपुर के K.P. Palace में बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाई गई। क्षत्रिय समाज द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने भाग लेकर महाराणा प्रताप के त्याग, शौर्य और राष्ट्रभक्ति को नमन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। समारोह के दौरान वक्ताओं ने महाराणा प्रताप के जीवन संघर्ष, स्वाभिमान और मातृभूमि के प्रति समर्पण पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन Deepak Singh Saral ने किया। समारोह में मुख्य रूप से उपस्थित युवा भाजपा नेता Shiv Prakash Awasthi उर्फ राहुल ने "युवा सोच, नया विचार" का संदेश देते हुए समाज के विभिन्न लोगों को प्रतीक चिन्ह,

पगड़ी पहनाकर और माल्यार्पण कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन केवल इतिहास का हिस्सा नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, राष्ट्रप्रेम और संघर्ष की अमर गाथा है। उनके आदर्श हर युवा को अन्याय के खिलाफ खड़े होने और समाजहित में कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि समाज के लोगों का आशीर्वाद मिलना उनके लिए सौभाग्य की बात है और समाज के सम्मानित लोगों को सम्मानित करने का अवसर उनके लिए गर्व का विषय है। समारोह को संबोधित करते हुए अधिवक्ता एवं एमएलसी प्रतिनिधि Kuldeep Singh ने कहा कि महाराणा प्रताप किसी एक समाज या जाति के नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के गौरव थे। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप के संघर्ष में हर वर्ग और समुदाय के लोगों ने एकजुट होकर साथ दिया था। समाज में आपसी भाईचारा, एकता और सहयोग बनाए रखना ही उनके जीवन से मिलने वाली सबसे बड़ी सीख है। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने महाराणा प्रताप के अदम्य साहस, त्याग और देशभक्ति को याद करते हुए समाज को संगठित और मजबूत बनाने का आह्वान किया। सम्मानित किए गए लोगों ने आयोजकों के प्रति आभार जताया। समारोह में Raj Narayan Singh, Sanjay Singh, Ramsharan Pathak, Pawan Kumar Ojha, Amit Singh Azad सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इसके अलावा प्रगतिशील किसान, अधिवक्ता, सामाजिक कार्यकर्ता और क्षेत्रीय प्रतिनिधियों की मौजूदगी ने कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की। पूरे आयोजन में महाराणा प्रताप के आदर्शों को अपनाने और समाज में एकता बनाए रखने का संदेश दिया गया।

खाना छोड़कर कार्यक्रम से निकले, सपा नेता का हाथ झटकते हुए बोले- बुलाकर बेइज्जत करते हो

टिकट मांगने पर भड़के नसीमुद्दीन सिद्दीकी

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद में एक कार्यक्रम में बसपा छोड़कर पहले कांग्रेस और फिर सपा में शामिल हुए नसीमुद्दीन सिद्दीकी उखड़ गए। कार्यक्रम में जो नेता नसीमुद्दीन के लिए लंच की मेजबानी कर रहा था, उसी ने समर्थकों से अपने लिए टिकट देने की पैरोवी शुरू करा दी। नेता के समर्थक दबाव बनाने लगे कि नसीमुद्दीन वादा करें कि टिकट के लिए अखिलेश से पैरवी करेंगे। यह देख नसीमुद्दीन का मूड उखड़ गया और वे बगैर खाना खाए ही लंच टेबल से उठ गए। इसके बाद कार्यक्रम से बाहर जाते समय सपा नेता सलीम अख्तर ने नसीमुद्दीन सिद्दीकी का हाथ पकड़कर रोकने का प्रयास किया। लेकिन नसीमुद्दीन ने

हाथ झटककर सलीम अख्तर को सरेआम खरी-खोटी सुनाते हुए कहा- हमें यहां बेइज्जत करने के लिए बुलाया था। होश में रहो। मुरादाबाद में रामगंगा विहार कालोनी में लिप्टन क्लब में नसीमुद्दीन के लिए स्थानीय सपा नेता सलीम अख्तर ने लंच पार्टी का आयोजन किया था। नसीमुद्दीन पीडीए की महापंचायत की तैयारियों के सिलसिले में मुरादाबाद आए थे। सलीम अख्तर पहले कांग्रेस में थे। जानकारी के अनुसार मुरादाबाद के रामगंगा विहार कॉलोनी स्थित Lipton Club में नसीमुद्दीन सिद्दीकी के स्वागत और लंच का आयोजन किया

इसी बात पर नसीमुद्दीन सिद्दीकी का मूड खराब हो गया। उन्होंने इसे अनुचित माना और नाराज होकर लंच टेबल छोड़ दी। बताया जा रहा है कि वे बिना खाना खाए ही कार्यक्रम से बाहर निकल गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक जब नसीमुद्दीन कार्यक्रम स्थल से बाहर जा रहे थे।

गया था। यह कार्यक्रम सपा नेता सलीम अख्तर की ओर से रखा गया था। नसीमुद्दीन सिद्दीकी पीडीए महापंचायत की तैयारियों के सिलसिले में मुरादाबाद पहुंचे थे। कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के कई स्थानीय नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद थे बताया जा रहा है कि लंच शुरू होने के कुछ ही देर बाद सलीम अख्तर के समर्थकों ने नारेबाजी और टिकट की मांग शुरू कर दी। समर्थक लगातार यह कहने लगे कि मुरादाबाद शहर सीट से सलीम अख्तर को समाजवादी पार्टी का उम्मीदवार बनाया जाए। कार्यक्रम में मौजूद लोगों के मुताबिक समर्थक चाहते थे कि नसीमुद्दीन सिद्दीकी मंच से ही सलीम अख्तर के नाम की घोषणा करें और सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष Akhilesh Yadav से टिकट दिलाने की पैरवी का भरोसा दें। इ इस दौरान नसीमुद्दीन और ज्यादा नाराज हो गए।

नसीमुद्दीन ने कहा-होश में रहो, घर बुलाकर बेइज्जत करते हो

नसीमुद्दीन बगैर खाना खाए लंच टेबल से उठे, तो मेजबान सलीम अख्तर और उनके समर्थकों के होश उड़ गए। सलीम समेत सभी समर्थक उन्हें मनाने के लिए पीछे दौड़े। उन्हें हाथ पकड़कर रोकने की कोशिश भी की। लेकिन नसीमुद्दीन नहीं रुके। उन्होंने सलीम अख्तर और उनके समर्थकों का हाथ झटक दिया और अपनी गाड़ी की ओर बढ़ गए। इस दौरान नसीमुद्दीन ने सलीम अख्तर से कहा- होश में रहो, घर बुलाकर बेइज्जत करते हो। मैं क्या यहां टिकट बांटने आया हूं। मैं टिकट बांटने वाला कौन होता हूं।

बताया जा रहा है कि उन्होंने सार्वजनिक रूप से सलीम अख्तर को खरी-खोटी सुनाते हुए कहा, "हमें यहां बेइज्जत करने के लिए बुलाया था। होश में रहो।" इसके बाद वे वहां से रवाना हो गए। गौरतलब है कि सलीम अख्तर और नसीमुद्दीन सिद्दीकी के बीच पुराने राजनीतिक संबंध रहे हैं। दोनों पहले कांग्रेस में थे और बाद में साथ ही समाजवादी पार्टी में शामिल हुए थे।

सलीम अख्तर और समर्थकों के इतना मनाने के बाद भी नसीमुद्दीन उन्हें खरी-खोटी सुनाकर चले गए।

10 किलो गांजा संग दो अंतरजनपदीय तस्कर गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी में बुलेट बाइक भी जब्त, नशा मुक्त अभियान के तहत कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

लखीमपुर-खीरी। लखीमपुर खीरी में 'नशा मुक्त अभियान' के तहत बड़ी कार्रवाई हुई है। फरधान पुलिस और स्वाट टीम ने संयुक्त रूप से दो अंतरजनपदीय मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 10.135 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया है। पुलिस अधीक्षक डॉ. ख्याति गर्ग के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई में, टीम ने मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी की। दोनों आरोपियों को बुलेट मोटरसाइकिल से गांजा ले जाते समय पकड़ा गया। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत करीब डेढ़ लाख रुपये बताई जा रही है। गिरफ्तार किए गए तस्करों की पहचान विवेक तिवारी (निवासी आनंद नगर सलेमपुर, थाना कोतवाली सदर, लखीमपुर खीरी) और शिवा उर्फ प्रियांशु अवस्थी (निवासी

चैनपुरवा मजरा अजयपुर, थाना तम्बौर, जनपद सीतापुर) के रूप में हुई है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की गई काले रंग की बुलेट मोटरसाइकिल (UP-34 BV-1908) भी जब्त कर ली है। पुलिस के अनुसार, आरोपी विवेक तिवारी पर पहले से कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। वह सीतापुर में गैंगस्टर एक्ट के एक मामले में 10 हजार रुपये का इनामी वांछित अभियुक्त भी है। दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना फरधान में एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

फास्ट न्यूज

सड़क काटकर पाइपलाइन सीवर से जुड़ी

मुहम्मदावाद। गाजीपुर के मुहम्मदाबाद नगर में शुक्रवार को जल निकासी की समस्या के समाधान के लिए एक कदम उठाया गया है। नगर पालिका ने अग्रसेन तिराहा के पास गाजीपुर-बलिया मार्ग को काटकर नगर की जल निकासी पाइपलाइन को सीवर पाइप की मुख्य लाइन से जोड़ा है। इस जुड़ाव से रामलीला मैदान और आसपास के इलाकों में होने वाले जलजमाव की समस्या का जल्द समाधान होने की उम्मीद है।

रेस्टोरेंट संचालक के बेटे ने होजरी दुकानदार का मर्डर किया

कानपुर। कानपुर में होजरी व्यापारी की हत्या कर दी गई। यह वारदात रेस्टोरेंट संचालक के बेटे ने की। उसने अपने घर से 20 मीटर की दूरी पर स्थित धर्मशाला में इस घटना को अंजाम दिया। उसके बाद वह मौके से फरार हो गया। धर्मशाला की पहली मंजिल में किराए पर रहने वाली महिला आवाज सुनकर सीढ़ियों की ओर पहुंची तो दुकानदार खून से लथपथ पड़ा मिला। इलाके में रहने वाले युवक ने मामले की जानकारी दुकानदार के बड़े भाई को दी। उसके बाद पहुंची पुलिस ने उसे उर्सला में भर्ती कराया।

धर्म परिवर्तन के आरोप में 4 गिरफ्तार

गाजीपुर। गाजीपुर के जंगीपुर थाना क्षेत्र के तारनपुर गांव में पुलिस ने धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि भीम आर्मी के बैनर-पोस्टर की आड़ में लोगों को प्रलोभन देकर हिंदू धर्म से ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा था। पुलिस को सूचना मिलने के बाद गुरुवार, 8 मई 2026 को यह कार्रवाई की गई। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि कुछ अन्य लोग फरार हो गए।

हापुड़ में महाराणा प्रताप की रैली में बवाल-पथराव

हापुड़ में महाराणा प्रताप की रैली में बवाल-पथराव

तमसा संकेत, एजेंसी

हापुड़। हापुड़ में महाराणा प्रताप की जयंती पर निकाली जा रही बाइक रैली में बवाल हो गया। कुछ युवक महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर रहे थे। इसी दौरान एक युवक का दुकानदार से किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। उसने साथियों को बुला लिया। इसके बाद दोनो पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। इसी दौरान दूसरे गुट के लोगों ने एक युवक को छत पर दौड़ाकर गिरा दिया। उसे जमकर लात-घूसे मारने लगे। 4 से 5 कारों में जमकर तोड़फोड़ की। सूचना के बाद कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। एसपी केजी सिंह ने मोर्चा संभाला। उन्होंने भीड़ को किसी तरह समझा-बुझाकर शांत कराया। बवाल में 5 से 6 लोग घायल हुए हैं। इन्हें इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार

किया है। घटना शनिवार शाम धौलाना के देहरा गांव की है। बाइक रैली में हंगामे के दौरान लोग छत पर चढ़कर मारपीट करने लगे। महाराणा प्रताप की जयंती पर 500 से ज्यादा युवक करीब 100 बाइकों और कारों से 5 किमी लंबी रैली निकाल रहे थे। रैली सिरोधन से देहरा गांव तक निकाली गई। देहरा पहुंचने पर महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण कार्यक्रम चल रहा था। तभी रैली में आया एक युवक दुकान पर कुछ सामान लेने चला गया। उसकी दुकानदार से किसी बात को लेकर बहस हो गई।

लोक अदालत में साथ रहने को राजी हुए सात जोड़े

शिकवा दूर होने पर छलके आंसू, पत्नी ने कहा, नहीं घुमाने की बात पर लड़ाई हुई थी

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत में सालों से एक दूसरे से अलग रह रहे सात दंपत्ति एक दूसरे के साथ जीवन बिताने को राजी हो गए। इस दौरान अलग-अलग माहौल कचहरी में देखने को मिला, किसी दंपत्ति के चेहरे में खुशी के भाव झलक रहे थे तो कोई लंबी दूरियां मिटने पर भावुक हो गया। शहर के किदवई नगर थानाक्षेत्र में रहने वाले दंपत्ति एक साल पहले मामूली बात को लेकर अलग हो गए थे, आज न्यायिक अधिकारियों के प्रयास के एक हुए तो पति के आंखों से आंसू छलक पड़े। वह पत्नी व बच्चों को गले लगाकर रोने लगा, जिसके बाद पत्नी भी भावुक हो गई और दोनों ने फिर कभी अलग न होने वचन एक दूसरे को दिया। वहीं पति के बाहर न घुमाने से नाराज होकर मायके में रह रही पत्नी को न्यायिक अधिकारियों ने समझाकर ससुराल भेजा। इस दौरन पति के साथ जाने को लेकर महिला के चेहरे पर खुशी झलकी। न्यायिक अधिकारियों ने सभी सात जोड़ों को एक साथ रहने की शुभकामनाएं देकर विदा किया।

पति घुमाने नहीं ले जाता था, इसलिए शुरू हुआ झगड़ा

गोविंद नगर निवासी पति और साकेत नगर निवासी पत्नी का विवाह फरवरी 2024 में हुआ था। शादी के कुछ दिनों दोनों में युवती चाहती थी कि शादी के बाद उसका पति उसे घुमाने ले जाने, ऐसा न करने पर दोनों के बीच झगड़े शुरू हो गए थी, मामला कोर्ट तक पहुंच गया था। न्यायिक अधिकारियों के समझाने बुझाने के बाद दोनों एक दूसरे के साथ रहने को राजी हो गए।

राष्ट्रीय का शुभारंभ सुबह 9:30 बजे जिला जज अनमोल पाल ने दीप प्रज्जवलित कर किया। जिला जज ने बताया कि लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य वादकारियों को सुलभ, त्वरित एवं सस्ती न्याय व्यवस्था उपलब्ध कराना है। बताया कि लोक अदालत में शमनीय आपराधिक वाद, लघु दंडनीय प्रकरण तथा सालों से चल रहे ऐसे सिविल वाद जिनमें आपसी सहमति की संभावना हो, उनका निस्तारण किया जाएगा। दोपहर को पारिवारिक न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश रोहित सिन्हा ने बताया कि अब तक 55 घरेलू विवाद के मामलों में सुलह समझौते के आधार पर निस्तारण हो चुका है, इनमें खास बात यह रही कि सात जोड़े आपसी मनमुटाव मिटाकर एक बार फिर साथ रहने को राजी हो गए। राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से एक दूसरे को पति–पत्नी ने माला पहनाकर व गुलाब देकर गिले शिकवे दूर किए। वहीं एक दूसरे का मुंह मीठा कराकर जीवन भर एक दूसरे का साथ नहीं छोड़ने का वादा किया,

बच्चों का ख्याल न रखने पर शुरू हुआ झगड़ा, तलाक तक पहुंचा

किदवई नगर के रहने वाले युवक व युवती की शादी वर्ष 2013 में हुई थी, दंपत्ति के तीन बच्चे है। इसके बाद बच्चों का ध्यान न देने के बीच दोनों के बीच झगड़ा होने लगा था। पत्नी ने एक साल पहले तलाक का मुकदमा और पति ने विदाई का मुकदमा दाखिल किया था। लगभग एक माह तक कई दौर की मध्यस्थता कराई गई, जिसके बाद दोनों एक दूसरे के साथ रहने को राजी हो गए।

राष्ट्रीय लोक अदालत की नोडल अफसर रश्मि सिंह ने बताया कि पिछले लोक अदालत में 2.40 लाख वादों का निस्तारण कराया गया था। इस बार तीन लाख मुकदमें चिन्हित किए गए है, 2.60 लाख मुकदमें निस्तारित करने का लक्ष्य रखा गया है।

घर में लगी भीषण आग

तेज धमाके के साथ फटे 2 सिलेंडर, परिवार ने भागकर बचाई जान

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के ट्रांस यमुना थाना क्षेत्र में शनिवार को एक मकान में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग की चपेट में आए दो रसोई गैस सिलेंडरों में धमाका हो गया, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। गनीमत रही कि परिवार के सभी सदस्य समय रहते घर से बाहर निकल आए। घटना ट्रांस यमुना क्षेत्र के फाउंड्री नगर स्थित गणेश नगर की है। पुलिस के अनुसार, यहां निवासी देवेंद्र कुमार के मकान में शनिवार को अचानक आग लग गई। उस समय परिवार के सदस्य घर के अंदर मौजूद थे। आग की लपटें उठती देख सभी लोग तुरंत बाहर निकल आए और किसी तरह अपनी जान बचाई। देखते ही देखते आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। घर के अंदर रखे दो रसोई गैस सिलेंडर भी आग की जद में आ

गए। इसी दौरान एक सिलेंडर तेज धमाके के साथ फट गया। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग दहशत में आ गए। विस्फोट से मकान का कुछ हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक घर में रखा अधिकांश घरेलू सामान जलकर राख हो चुका था। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। पुलिस और दमकल विभाग पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। फायर ब्रिगेड कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक घर में रखा अधिकांश घरेलू सामान जलकर राख हो चुका था।दमकल अधिकारियों के अनुसार आग पर समय रहते नियंत्रण पा लिया गया, जिससे आसपास के मकानों तक आग फैलने से रोक लिया गया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। हालांकि पुलिस और दमकल विभाग पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद ही आग लगने की सही वजह स्पष्ट हो सकेगी।घटना के बाद इलाके में काफी देर तक लोगों की भीड़ जुटी रही। स्थानीय लोगों ने बताया कि सिलेंडर धमाके की आवाज बेहद तेज थी, जिससे कुछ देर के लिए पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई थी।

कानपुर में 26 केंद्रों पर एग्जाम, कई जिलों से आए परीक्षार्थी, जांच के बाद ही इंट्री

पीजीटी परीक्षा से पहले जूते-मोजे उतरवाकर तलाशी ली गई

कल्याणपुर के जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज में सुबह से ही अभ्यर्थी का पहुंचने लगे।

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन बोर्ड की ओर से आयोजित पीजीटी भर्ती परीक्षा शनिवार से कानपुर में शुरू हो गई। जिले के 26 परीक्षा केंद्रों पर दो दिन तक चलने वाली इस परीक्षा में हजारों अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं। परीक्षा को लेकर प्रशासन की ओर से सुरक्षा और निगरानी के व्यापक इंतजाम किए गए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी न हो सके। शनिवार को परीक्षा के पहले दिन सुबह से ही परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की

जवाहर लाल नेहरु इंटर कालेज में जूते व मोजे उतरवाकर ली गई तलाशी।

भीड़ दिखाई देने लगी। पहली पाली की परीक्षा के लिए परीक्षार्थियों को सुबह करीब 7:30 बजे से केंद्रों में प्रवेश दिया गया। कई केंद्रों पर सघन जांच और तलाशी के बाद ही अभ्यर्थियों को अंदर जाने की अनुमति मिली।

कल्याणपुर स्थित Jawahar Lal Nehru Inter College में सुरक्षा व्यवस्था काफी सख्त नजर आई। यहां परीक्षार्थियों के जूते और मोजे उतरवा-कर जांच की गई। इसके अलावा मेटल डिटेक्टर और अन्य माध्यमों से भी चेकिंग की गई, ताकि परीक्षा में किसी प्रकार की नकल या इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के इस्तेमाल को रोका जा सके। अभ्यर्थियों को एडमिट कार्ड और पहचान पत्र की जांच के बाद ही केंद्र में प्रवेश मिला। कई केंद्रों के बाहर अभ्यर्थी परीक्षा शुरू होने से पहले अपने विषयों की तैयारी करते और नोट्स पढ़ते नजर आए।

पीजीटी भर्ती परीक्षा दोनों दिन दो-दो पालियों में आयोजित की जा रही है। पहली पाली की परीक्षा सुबह शुरू होकर 11:30 बजे समाप्त होगी। वहीं दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 2:30 बजे से शुरू होगी। इसके लिए अभ्यर्थियों को करीब एक घंटे पहले से प्रवेश दिया जाएगा। प्रशासन के अनुसार शनिवार को जिले में 22,253 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हो रहे हैं, जबकि रविवार को 18,825 परीक्षार्थी अपनी किस्मत आजमाएंगे।

परीक्षा केंद्रों पर ड्यूटी स्टाफ के साथ पर्याप्त संख्या में पुलिस बल भी तैनात किया गया है। संवेदनशील केंद्रों पर अतिरिक्त निगरानी रखी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि परीक्षा को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं। इसके अलावा परीक्षा केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ न लगे, इसके लिए भी पुलिस प्रशासन सक्रिय नजर आया। कई केंद्रों पर अभिभावकों और अन्य लोगों को बाहर निर्धारित दूरी पर रोका गया।

पृष्ठ 01 का शेष...

सुवेंदु बंगाल में ...

आज कोलकाता और पूरे पश्चिम बंगाल की संस्कृति और भावना को पहचान मिली है। कोलकाता में BJP समर्थक शरीर पर मोदी की तस्वीर पेंट करवाकर परेड ग्राउंड पहुंचा। लोग यहां जश्न मना रहे हैं और नारे लगा रहे हैं, क्योंकि वे राज्य में पहली BJP-नीत सरकार बनने से खुश हैं। मुझे उम्मीद है कि मुख्यमंत्री के तौर पर, वे पूरे पश्चिम बंगाल का ख्याल रखेंगे और उसकी समस्याओं को हल करेंगे। महिलाओं की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था में जरूर सुधार होना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि अस्पताल ठीक से काम करेंगे, जहां डॉक्टर मौजूद रहेंगे। स्कूल पर्याप्त शिक्षकों के साथ फिर से खुलेंगे। अभी हजारों स्कूल बंद हैं, और कई स्कूलों में सैकड़ों छात्रों के लिए सिर्फ दो शिक्षक हैं, और रिटायरमेंट के बाद कोई नई भर्ती नहीं हुई है। मेरा मानना है कि अब पश्चिम बंगाल में असली तरक्की और विकास देखने को मिलेगा। कोलकाता में सुवेंदु अधिकारी का शपथ ग्रहण समारोह चल रहा था। इस बीच कांथी में BJP कार्यकर्ता सुवेंदु के पैतृक आवास के बाहर जमा हो गए थे। ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शपथ लेने के बाद, पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी औपचारिक रूप से राइटर्स बिल्डिंग में प्रवेश करेंगे। यहां कोलकाता पुलिस और सेंट्रल फोर्स तैनात हैं। अग्निमित्रा पाल पश्चिम बंगाल की असनसोल दक्षिण विधानसभा सीट से BJP विधायक हैं। वे 2021 में पहली बार इस सीट से विधायक चुनी गई थीं। 2026 में दूसरी बार जीत दर्ज की। उन्होंने 2022 का आसनसोल लोकसभा उपचुनाव और 2024 का मेदिनीपुर लोकसभा चुनाव भी लड़ा, लेकिन दोनों चुनाव हार गईं। शपथ ग्रहण से पहले मंच पर PM मोदी ने पश्चिम बंगाल में BJP के सबसे बुजुर्ग कार्यकर्ताओं में से एक माखनलाल सरकार को सम्मानित किया और उनका आशीर्वाद लिया। 1952 में माखनलाल सरकार को कश्मीर में उस आंदोलन के दौरान गिरफ्तार किया गया था, जब वे श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ वहां भारतीय तिरंगा फहराने के लिए गए थे। 98 साल की उम्र में माखनलाल सरकार आजादी के बाद के भारत में राष्ट्रवादी आंदोलन से जुड़े शुरुआती जमीनी स्तर के नेताओं में से एक हैं। मोदी और सुवेंदु अधिकारी ने गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। पीएम मोदी परेड ग्राउंड में एक रोड शो कर रहे हैं। विशेष रूप से बनाए गए रथ पर पीएम और सुवेंदु साथ में मंच की तरफ जा रहे हैं। उनके साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य भी हैं। ग्राउंड में इस वक्त करीब 1 लाख लोग मौजूद हैं।

दिल्ली में आतंकी ...

संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए बैरिकेडिंग और वाहनों की रैंडम चेकिंग के साथ-साथ सुरक्षा एजेंसियां किसी भी संभावित खतरे को रोकने के लिए आपसी तालमेल से काम कर रही हैं। बम निरोधक दस्तों, स्निफर डॉग यूनिट्स और क्विक रिएक्शन टीमों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। दिल्ली फायर सर्विस को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस को संवेदनशील इलाकों में संदिग्ध गतिविधियों, लावारिस वस्तुओं और खड़े वाहनों पर कड़ी नजर रखने को कहा गया है। दिल्ली में लाल किले के पास 10 नवंबर शाम 6.52 बजे आतंकी हमला हुआ था। आतंकवादी ने चलती कार में धमका किया था। इस धमाके में 13 लोगों की मौत हो गई और 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। इस धमाके के तार टेरर मॉड्यूल से जुड़े थे। जिसका खुलासा जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 1 दिन पहले हरियाणा से किया था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक आतंकी 6 दिसंबर, यानी बाबरी मस्जिद ढहाए जाने की बरसी के दिन दिल्ली समेत कई जगह धमाके करना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने 32 कारों का इंतजाम किया था। इनमें बम और विस्फोटक सामग्री भरकर धमाके किए जाने थे। इनमें ब्रेजा, स्विफ्ट डिजायर, इकोस्पोर्ट और आई20 जैसी गाड़ियां शामिल थीं।

पंजाब के आप मंत्री ...

इसके अलावा दुबई से भारत में अवैध रकम की राउंड-ट्रिपिंग के लिए इन सामानों के एक्सपोर्ट का इस्तेमाल किया। फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) और एक्सपोर्ट पर GST रिफंड तथा ड्यूटी ड्रॉबैक लेने के लिए दिल्ली की गैर-मौजूद फर्मों से कई फर्जी GST खरीद बिल हासिल किए गए। इससे सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचा और व्यक्तिगत लाभ कमाया गया। ED सोर्सेस के मुताबिक 157.12 करोड़ रुपए के फर्जी एक्सपोर्ट से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड और मंत्री संजीव अरोड़ा से जुड़ी संस्थाओं के बैंक खातों, डीमैट होल्डिंग्स और अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया गया है। यह अटैचमेंट के आदेश 19 अप्रैल को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA), 1999 की धारा 37(3) और आयकर अधिनियम की धारा 132(9B) के तहत जारी किए गए थे। जिसके तहत जांच को सही ढंग से सिरे चढ़ाने के लिए 180 दिन के लिए यह अटैचमेंट की गई है। ED ने यह कार्रवाई 17 अप्रैल को गुरुग्राम के उद्योग विहार स्थित हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड के परिसर, उसके प्रमुख शेयरधारक मेसर्स फाइंडोक फिनवेस्ट प्राइवेट लिमिटेड के कार्यालयों और संजीव अरोड़ा, काव्या अरोड़ा, हेमंत सूद और चंद्र शेखर से जुड़े स्थानों पर की गई तलाशी और जब्ती कार्रवाई के बाद की। इस संबंध में सामने आए अंतरिम कुर्की आदेश के अनुसार, कंपनी ने अपने निदेशकों, कर्मचारियों और संबंधित व्यक्तियों के साथ मिलीभगत करके, फर्जी बिक्री और निर्यात को दर्शाने के लिए कथित तौर पर शेल संस्थाओं के एक नेटवर्क के माध्यम से फर्जी खरीद चालान तैयार किए। ईडी ने आरोप लगाया कि 157.12 करोड़ रुपये के कुल घोषित एक्सपोर्ट के मुकाबले, 102.50 करोड़ रुपये के लेनदेन केवल UAE स्थित दो संस्थाओं - मेसर्स फोर्टबेल टेलीकॉम FZCO और मेसर्स ड्रैगन ग्लोबल FZCO के माध्यम से किए गए थे। ED ने आगे दावा किया है कि फोर्टबेल टेलीकॉम FZCO, मेसर्स फोर्टबेल गैजेट्स प्राइवेट लिमिटेड से जुड़ी है। जिसके मालिक हेमंत सूद और चंदर शेखर हैं। इससे एजेंसी को जांच में संबंधित विदेशी संस्थाओं के माध्यम से धन की राउंड-ट्रिपिंग का संदेह पैदा हुआ है, जो कि FEMA की धारा 7 और FEMA (माल और सेवाओं का निर्यात) विनियम, 2015 के विनियम 9 के कथित उल्लंघन का मामला है। जब्त की गई संपत्तियों में हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड के कई बैंक खाते, काव्या अरोरा के डीमैट खाते और म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स के अलावा लुधियाना, मोहाली और गुरुग्राम में स्थित अचल संपत्तियां शामिल हैं। इसके अलावा ED अब विदेशी मुद्रा संबंधी कथित उल्लंघनों की चल रही जांच के तहत, ईडी संबंधित फर्मों और व्यक्तियों से जुड़े वित्तीय लेन-देन और गतिविधियों की भी जांच कर रही है।

खेल मैदान अनुशासन...

मुख्यमंत्री ने बैडमिंटन खेलकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने बैंड संचालन करने वाले प्रमुख लोगों को सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में स्मारिका का विमोचन किया गया और देशभर से आए पुलिस एवं पैरामिलिट्री बलों के खिलाड़ियों का स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन परंपरा में कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल जैसे खेलों का विशेष महत्व रहा है। जब हम अर्जुन का स्मरण करते हैं तो उसके साथ एकाग्रता, अनुशासन और वीरता का भाव जुड़ा होता है। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य है और यहां युवाओं की संख्या सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में स्टेडियम नाममात्र के थे और खिलाड़ी बेहतर अवसरों के लिए भटकने को मजबूर रहते थे। अब प्रदेश सरकार खेल ढांचे को मजबूत करने के साथ खिलाड़ियों को सम्मानजनक करियर देने का काम कर रही है। उन्होंने बताया कि खेल कोटे के माध्यम से प्रदेश में 546 खिलाड़ियों की सीधी भर्ती की प्रक्रिया चल रही है।

नियम तोड़ने पर खिलाड़ियों-कमेंटेटर्स और टीम पर जुर्माने के साथ कानूनी कार्रवाई भी

आईपीएल में रील बनाने-पोस्ट करने पर बीसीसीआई की रोक

"एंटी-करप्शन यूनिट (एसीयू) ने आपत्ति जताई है कि कुछ वरिष्ठ अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी परिवार या दोस्तों को टीम बस में सफर करने दे रहे हैं। बीसीसीआई ने कहा कि टीम बस और होटल के प्रतिबंधित क्षेत्रों में केवल अधिकृत लोगों को ही अनुमति होगी। बोर्ड ने कहा कि यही नियम राज्यों की टी-20 लीगों में भी लागू होंगे, क्योंकि वहां भी आईपीएल के कई खिलाड़ी खेलते हैं और युवाओं के लिए गलत उदाहरण पेश करते हैं।"

नई दिल्ली, एजेंसी

खिलाड़ी, उनके परिवार के सदस्य और ब्रॉडकास्टर के लिए काम कर रहे पूर्व क्रिकेटर IPL मैच के दौरान रील नहीं बना सकेंगे और न ही सोशल मीडिया पर पोस्ट कर पाएंगे। नियम तोड़ने पर BCCI जुर्माना और कानूनी कार्रवाई कर सकता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने IPL में एंटी-करप्शन और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर खिलाड़ियों, कमेंटेटर्स, उनके परिवार और ब्रॉडकास्टर्स के लिए सोशल मीडिया कंटेंट पर सख्त गाइडलाइंस जारी की हैं। बोर्ड ने कहा है कि संवेदनशील इलाकों में रील या वीडियो बनाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगां। मीडिया रिपोर्ट के

अर्शदीप सिंह IPL के रील बनाकर सोशल मीडिया पर अक्सर पोस्ट करते हैं।

मुताबिक, BCCI की एंटी-करप्शन यूनिट (ACU) ने इस सीजन में नियम उल्लंघन के कई मामले पकड़े हैं। इनमें खिलाड़ी और ब्रॉडकास्टर के तौर पर काम कर रहे पूर्व क्रिकेटर भी शामिल हैं। बोर्ड ने चेतावनी दी है कि सुरक्षा प्रोटोकॉल नहीं मानने वालों पर भारी जुर्माना और कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

डगआउट में वीडियो बना रहे पूर्व क्रिकेटर को फटकार

रिपोर्ट के मुताबिक, इस सीजन में कुछ कमेंटेटर्स ने नियम तोड़े हैं। एक पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर मैच के अहम पलों में डगआउट के पास फोन से वीडियो बनाते पाए गए। BCCI टीम ने तुरंत रिकॉर्डिंग रुकवाई। बोर्ड अब एक पूर्व क्रिकेटर को कानूनी नोटिस भेजने की तैयारी में है, जो मैदान पर अपने यूट्यूब चैनल के लिए वीडियो शूट कर रहा था। नियम के मुताबिक, IPL की आधिकारिक ड्रेस पहनकर मैदान पर निजी कंटेंट की शूटिंग नहीं की जा सकती।

खिलाड़ियों की 'रील संस्कृति' पर बोर्ड की नजर

BCCI को चिंता है कि नई पीढ़ी के क्रिकेटर सोशल मीडिया पर कंटेंट पोस्ट करने में ज्यादा रुचि दिखा रहे हैं। एक भारतीय खिलाड़ी को टीम की यात्रा और ठहरने की जानकारी साझा करने से रोका गया है।

मीरपुर टेस्ट : बांग्लादेश ने पहले दिन 301 रन बनाए

कप्तान शांतो का शतक, मोमिनुल की फिफ्टी

नई दिल्ली, एजेंसी

मीरपुर, एजेंसी कप्तान नजमुल हुसैन शांतो के शतक की बदौलत बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले दिन मजबूत शुरुआत की है। शुक्रवार को स्टंप्स तक बांग्लादेशी टीम ने पहली पारी में 4 विकेट पर 301 रन बना लिए हैं। शांतो 101 रन बनाकर आउट हुए, जबकि मोमिनुल हक (91) अपने शतक से महज 9 रनों से चूक गए। शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम में दिन की शुरुआत पाकिस्तान के पक्ष में रही थी, जब शान मसूद ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। शाहीन अफरीदी और मोहम्मद अब्बास ने ओपनर्स को जल्दी पवेलियन भेज दिया। एक समय बांग्लादेश ने महज 31 रनों पर अपने 2 विकेट गंवा दिए थे, लेकिन इसके बाद शांतो और मोमिनुल ने पाकिस्तानी

गेंदबाजों को विकेट के लिए काफी इंतजार कराया। मीरपुर की पिच पर घास की परत को देखते हुए दोनों टीमों ने तीन-तीन तेज गेंदबाजों को अंतिम एकादश में शामिल किया। शाहीन अफरीदी ने शुरुआत में प्रभाव डाला, लेकिन समय के साथ उनकी धार कम होती गई। मोहम्मद अब्बास और हसन अली ने भी कोशिश की, लेकिन शांतो-मोमिनुल की जोड़ी ने उनके 'प्लान' को सफल नहीं होने दिया। पाकिस्तान के लिए फिलहाल एकमात्र विशेषज्ञ स्पिनर सलमान आगा भी कोई बड़ा कमाल नहीं कर सके।

पंजाब किंग्स की टीम मैक्लोडगंज पहुंची

स्थानीय व्यंजनों का उठाया लुत्फ, धर्मशाला स्टेडियम में जीत के लिए पूजा

धर्मशाला, एजेंसी

आईपीएल के मौजूदा सीजन में अपनी जीत की लय बरकरार रखने और आगामी मुकाबलों में सफलता सुनिश्चित करने के लिए पंजाब किंग्स की टीम शुक्रवार को मैक्लोडगंज पहुंची। टीम के खिलाड़ियों और प्रबंधन ने शुक्रवार रात प्रसिद्ध 'मैक्लो रेस्टोरेंट' में समय बिताया। यहां टीम ने स्थानीय व्यंजनों का आनंद लिया। खिलाड़ियों की एक झलक पाने के लिए प्रशंसकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे इलाके में कुछ देर के लिए गहमागहमी रही। मैदान पर उतरने से पहले टीम ने आध्यात्मिक आशीर्वाद को प्राथमिकता दी। टीम

प्रबंधन और खिलाड़ियों ने धर्मशाला के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया। यह पूजा आगामी मैचों के सफल आयोजन और टीम के बेहतर प्रदर्शन की कामना के लिए की गई। इस दौरान स्थानीय पंडितों के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच टीम की जीत के लिए आहुतियां डाली गईं। धौलाधार की पहाड़ियों की तलहटी में स्थित यह स्टेडियम अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। पंजाब किंग्स के लिए यह मैदान 'होम ग्राउंड' के रूप में महत्वपूर्ण माना जाता है। टीम प्रबंधन का मानना है कि यहां की सकारात्मक ऊर्जा खिलाड़ियों के मनोबल को बढ़ाने में सहायक होगी। मैक्लोडगंज के शांत वातावरण में बिताया गया यह समय खिलाड़ियों को मानसिक रूप से तरोताजा करने की रणनीति का हिस्सा भी है। आने वाले दिनों में यहां हाई-वोल्टेज मुकाबले होने हैं, जिसे लेकर जिला प्रशासन और एचपीसीए ने भी सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए हैं। टीम अब इस आध्यात्मिक ऊर्जा और अभ्यास के साथ मैदान पर प्रदर्शन करने को तैयार है।

लेबनान को 4-0 से हराया, पहली बार नॉकआउट में, जीत पर वर्ल्डकप के लिए क्वालिफाई

एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप के क्वार्टर फाइनल में भारत

- भारत के लिए दो गोल करने वाली प्रितिका बर्मन, लेबनान के खिलाफ मुकाबले में एक्शन में।
- अल्वा देवी मैच में भारत का दूसरा गोल करने का जश्न मनाती हुईं।

नई दिल्ली, एजेंसी

अंडर-17 भारतीय महिला फुटबॉल टीम पहली बार AFC अंडर-17 महिला एशियन कप 2026 के क्वार्टरफाइनल में पहुंची है। चीन के सूझोऊ में खेले गए आखिरी ग्रुप मैच में भारत ने लेबनान को 4-0 से हराया। प्रीतिका बर्मन ने दो

गोल किए, जबकि अल्वा देवी संजम और जोया ने एक-एक गोल दागा। भारत ने ग्रुप स्टेज 3 अंकों के साथ खत्म किया और थाईलैंड के साथ 'बेस्ट थर्ड प्लेस' टीम के तौर पर अंतिम आठ में जगह बनाई। सोमवार को क्वार्टर फाइनल में भारत का मुकाबला मेजबान चीन से होगा। चीन ग्रुप-A में तीनों मैच जीतकर 9 अंकों के साथ टॉप पर रहा।

2004 के बाद पहली बार नॉकआउट में पहुंची महिला टीम

भारतीय महिला फुटबॉल के लिए यह बड़ी उपलब्धि है। 2004 में AFC अंडर-19 महिला चैंपियनशिप के बाद पहली बार भारत की किसी महिला टीम ने एशियन कप के नॉकआउट स्टेज में जगह बनाई है। वहीं, 2018 में अंडर-16 पुरुष टीम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बाद यह किसी भी भारतीय टीम का पहला नॉकआउट है।

"भारत ने शुरुआत से ही लेबनान पर दबाव बनाए रखा। छठे मिनट में दिव्यानी लिंडा के लॉन्ग पास पर प्रीतिका बर्मन ने गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। 35वें मिनट में अल्वा देवी संजम ने स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरे हाफ में भारत ने दो और गोल कर लेबनान की वापसी के रास्ते बंद कर दिए।

भारत के लिए दो गोल करने वाली प्रितिका बर्मन, लेबनान के खिलाफ मुकाबले में एक्शन में।

वर्ल्ड कप के लिए सिर्फ एक जीत की दूरी

अगर भारत सोमवार को चीन को हराता है, तो टीम सीधे मोरक्को में होने वाले FIFA अंडर-17 महिला वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लेगी। यह पहली बार होगा जब कोई भारतीय टीम (पुरुष या महिला) अपनी काबिलियत (Merit) के दम पर किसी भी लेवल के FIFA वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई करेगी। इससे पहले भारत ने 2017 (U-17 पुरुष) और 2022 (U-17 महिला) वर्ल्ड कप में मेजबान होने के नाते हिस्सा लिया था। सोमवार को क्वार्टर फाइनल में भारत का मुकाबला मेजबान चीन से होगा। चीन ग्रुप-A में तीनों मैच जीतकर 9 अंकों के साथ टॉप पर रहा।

मनोरंजन

फिल्म ऑफर करने वाले को समझा स्टॉकर, कंगना की फिल्म में जूनियर आर्टिस्ट थीं रामायण की सीता

34 की हुई साई पल्लवी

मुबंई, एजेंसी

इंडियन सिनेमा की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक रामायण में माता सीता के किरदार में नजर आने वालीं साई पल्लवी आज 34 साल की हो चुकी हैं। साई पल्लवी कभी एक डांस रियलिटी शो की आम सी कंटेस्टेंट हुआ करती थीं। बचपन में वो कंगना रनोट की फिल्म में बतौर जूनियर आर्टिस्ट भी नजर आईं। आज अपने हुनर और सादगी से साई पल्लवी साउथ की टॉप एक्ट्रेसेस में शामिल हैं। उनके जन्मदिन के खास मौके पर एक नजर उनके बचपन, करियर और बेहतरीन किस्सों पर- साई पल्लवी का जन्म

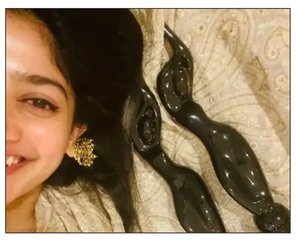

तमिलनाडु के कोएम्बटूर में हुआ। पिता एक्साइज ऑफिसर और एक फुटबॉल प्लेयर थे और मां राधा एक डांसर थीं। बचपन में साई भी अच्छी बैडमिंटन प्लेयर थीं। साई महज 13 साल की उम्र में फिल्म कस्तूरी मान (2005) में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट नजर आई थीं। इसके बाद उन्होंने 2008 की तमिल फिल्म धाम धूम में बतौर जूनियर आर्टिस्ट काम किया।

मां के नक्शेकदम पर चलते साई को डांस में रुचि होने लगी। टीनएज में उन्होंने तमिल डांस शो उंगालिल यार उधुता प्रभु देवा (कौन बनेगा अगला प्रभू देवा) (2008) में हिस्सा लिया। शो के एक एपिसोड में सामंथा रुथप्रभू साई के डांस से इंप्रेस हुई थीं और जमकर तारीफ की थी।

किसिंग सीन होने पर ठुकराई विजय देवरकोंडा की फिल्म

साल 2018 में साई पल्लवी ने विजय देवरकोंडा के साथ डेब्यूटेंट डायरेक्टर भरत कम्मा के साथ फिल्म साइन की थी। इस फिल्म का पहला पोस्टर 9 मई 2018 में विजय के बर्थडे के दिन जारी हुई। हालांकि जब साई को पता चला कि उन्हें फिल्म में विजय के साथ किसिंग सीन देना होगा।

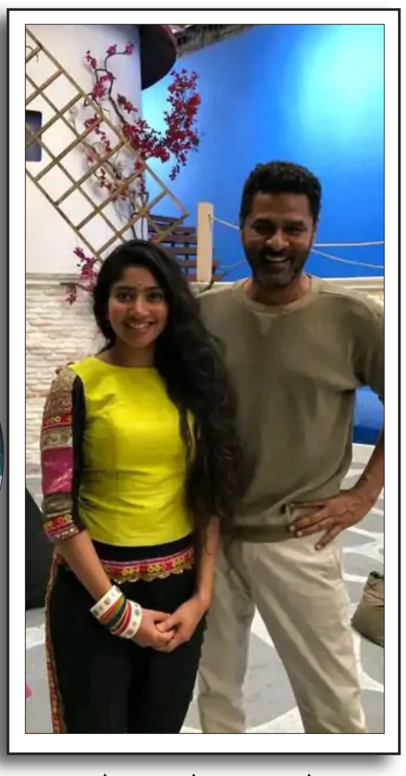

कश्मीरी पंडितों पर दिए गए बयान पर हुआ विवाद

फिल्म विराट पर्वन के प्रमोशनल इवेंट में साई के एक बयान से विवाद हो गया। दरअसल, उन्होंने कश्मीरी पंडितों के नरसंहार की तुलना गो तस्करी के आरोपियों की लिंचिंग से की है और कहा कि हिंसा कोई भी करे वह गलत है। साई ने कहा था, 'कश्मीर फाइल्स में 90 के दशक में कश्मीरी पंडितों का नरसंहार दिखाया है।

अमीषा पटेल ने बॉलीवुड के 'फेक पीआर' पर तंज कसा

कहा- 2 फिल्में करने से कोई स्टार नहीं बनता, फिल्म गदर 3 भी कन्फर्म की

मुबंई, एजेंसी

एक्ट्रेस अमीषा पटेल ने बॉलीवुड में बढ़ते PR कल्चर और नई पीढ़ी के स्टार्स पर निशाना साधते हुए सोशल मीडिया पर कई पोस्ट शेयर किए। शनिवार को X पर अमीषा ने सबसे पहले नेगेटिव कंटेंट बनाने वाले यूट्यूबर्स को लेकर लिखा, 'कभी भी उन कुछ नेगेटिव यूट्यूबर्स की बातों से दुखी या परेशान मत होइए, जो हर सुबह स्टार्स की आलोचना और नेगेटिव बातें करने के लिए उठते हैं। हम स्टार्स को उनसे परेशान होने के बजाय उनके लिए खुश होना चाहिए। आखिर हमारी बुराई करके ही उनका घर चल रहा है। हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।'

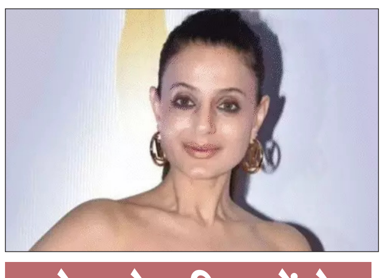

दो एवरेज फिल्मों से स्टार नहीं बनते: अमीषा

अगले ट्वीट में अमीषा ने लिखा, 'कई ऐसी एक्ट्रेसेस हैं, जिन्होंने आज तक अपने करियर में एक भी सोलो ब्लॉकबस्टर नहीं दी, फिर भी खुद को स्टार कहती हैं। साल में 2 एवरेज फिल्में करने और कुछ शूटिंग सेट्स पर मौजूद रहने से कोई स्टार नहीं बन जाता।

अमीषा पटेल ने पीआर मशीनरी पर साधा निशाना

PR मशीनरी को लेकर एक्ट्रेस ने लिखा, 'कोई स्टार तभी ग्लोबल सुपरस्टार बनता है, जब वह दुनिया भर में बड़ी हिट फिल्में दे। किसी भी प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना हर एक्टर के लिए अच्छी बात होती है, चाहे वह दुनिया में कहीं भी हो, लेकिन सुपरस्टार वही बनता है, जिसने बड़े हिट दिए हों। इसलिए PR मशीनरी बंद कीजिए।' अपनी फिल्मों का जिक्र करते हुए अमीषा ने लिखा, 'कहो ना... प्यार है, गदर: एक प्रेम कथा और गदर 2... एक नहीं, बल्कि बतौर हीरोइन मैंने 3 सबसे बड़ी सोलो ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। इन तीनों फिल्मों की फुटफॉल भी सबसे ज्यादा रही।

आईपीएल 2026 में आरसीबी को किया सपोर्ट, ट्रॉफी जीतने पर बोलीं- क्यों नहीं

उर्वशी ने विराट कोहली को बताया अपना जीजू

मुबंई। बॉलीवुड अभिनेत्री Urvashi Rautela एक बार फिर अपने मजाकिया अंदाज और बेबाक बयान को लेकर चर्चा में हैं। आईपीएल 2026 के बीच उर्वशी ने Virat Kohli और उनकी टीम Royal Challengers Bengaluru को लेकर ऐसा बयान दिया, रौतेला ने विराट कोहली को अपना "जीजू" बताते हुए कहा कि वह आरसीबी को पूरा सपोर्ट कर रही हैं।

विराट के साथ ऐड शूट नहीं हो पाया था

इंटरव्यू के दौरान उर्वशी ने यह भी बताया कि विराट कोहली के साथ एक ऐड शूट करना था, लेकिन वह हो नहीं पाया था। IPL 2026 की पॉइंट्स टेबल में डिफेंडिंग चैंपियन RCB तीसरे स्थान पर है। टीम ने अब तक खेले गए 10 मैचों में से 6 जीते हैं और 4 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है।

- 15 मई से उर्वशी की वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश 2 जियो हॉट-स्टार पर स्ट्रीम होगी।

इंस्पेक्टर अविनाश 2 में दिखेंगी उर्वशी

वर्क फ्रंट की बात करें तो उर्वशी जल्द वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश के दूसरे सीजन में नजर आएंगी। इसमें वह रणदीप हुड्डा की पत्नी पूनम मिश्रा के रोल में दिखेंगी। फिल्मों की बात करें तो उर्वशी जल्द अक्षय कुमार स्टारर फिल्म वेलकम टू द जंगल में नजर आएंगी। फिल्म 26 जून को रिलीज होगी। वहीं, उन्हें बड़े पर्दे पर आखिरी बार तेलुगु फिल्म डाकू महाराज में देखा गया था।

आईपीएल 2026 के दौरान खिलाड़ियों और बॉलीवुड सितारों के बीच इस तरह के मजेदार कनेक्शन हमेशा फैंस का ध्यान खींचते हैं। उर्वशी रौतेला का यह बयान भी क्रिकेट और एंटरटेनमेंट दोनों दुनिया में चर्चा का विषय बन गया है।

चीनी इंजीनियर ने माना- विमानों को टेक्निकली तैयार किया, रियल टाइम इनपुट दिए

ऑपरेशन सिंदूर में चीन ने पाकिस्तान को मदद दी

खुलासा

बीजिंग, एजेंसी

भारत के ऑपरेशन सिंदूर को लेकर चीन ने पहली बार सार्वजनिक तौर पर यह स्वीकार किया है कि उसने पाकिस्तान को तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक चीनी सरकारी मीडिया पर प्रसारित इंटरव्यू में एक वरिष्ठ इंजीनियर ने माना कि उनकी टीम पाकिस्तान के लड़ाकू विमानों और सैन्य सिस्टम को युद्ध के लिए तैयार रखने में मदद कर रही थी। इस खुलासे के बाद भारत-पाकिस्तान तनाव और चीन की भूमिका को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है। उन्होंने बताया कि उनका काम पाकिस्तान के लड़ाकू विमानों और उनसे जुड़े सिस्टम को पूरी तरह ऑपरेशन के लिए तैयार रखना था। इससे भारत और चीन के संबंधों में भी नई बहस शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। जिनमें भारतीय लड़ाकू विमानों को मार गिराने की बात कही गई थी। हालांकि पाकिस्तान इन दावों के समर्थन में कोई ठोस सबूत सार्वजनिक नहीं कर पाया था। हालांकि उस समय चीन के विदेश मंत्रालय और सैन्य अधिकारियों ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था या उन्हें ज्यादा महत्व नहीं दिया था। अब चीनी इंजीनियर के बयान को भारत के दावों की पुष्टि के रूप में देखा जा रहा है। इसके अलावा पाकिस्तान एयरफोर्स JF-17 फाइटर जेट पर भी काफी निर्भर है। यह लड़ाकू विमान चीन और पाकिस्तान ने संयुक्त रूप से विकसित किया है और इसे पाकिस्तान की प्रमुख सैन्य ताकतों में गिना जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि चीन का यह ताजा स्वीकारोक्ति वाला बयान दक्षिण एशिया की सामरिक राजनीति पर बड़ा असर डाल सकता है।

"रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान एयरफोर्स चीन में बने जे-10सीई लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल करती है। यह विमान चीन की सरकारी एयरोस्पेस कंपनी एवीआईसी की सहयोगी कंपनी द्वारा तैयार किए जाते हैं।

पाकिस्तान ने चीन के बनाए फाइटर जेट इस्तेमाल किए

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने चीन में बने फाइटर जेट इस्तेमाल किए थे। इंजीनियर झांग हेंग ने बताया कि पाकिस्तान एयर फोर्स चीन के बनाए J-10CE फाइटर जेट इस्तेमाल करती है। यह विमान चीन के J-10C मल्टीरोल कॉम्बैट एयरक्राफ्ट का एक्सपोर्ट वर्जन है। इन विमानों को AVIC की सहायक कंपनी बनाती है। झांग हेंग ने इंटरव्यू में कहा कि सपोर्ट बेस पर लगातार फाइटर जेट्स की आवाज और एयर रेड सायरन सुनाई देते थे।

चीन ने ऑपरेशन सिंदूर को लाइव लैब की तरह इस्तेमाल किया

भारत के डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल राहुल सिंह ने जुलाई 2025 में FICCI के एक सेमिनार में कहा था कि चीन ने ऑपरेशन सिंदूर को 'लाइव लैब' की तरह इस्तेमाल किया। उनके मुताबिक, चीन ने अपने सैटेलाइट नेटवर्क के जरिए भारतीय सैन्य गतिविधियों की निगरानी की और पाकिस्तान को रियल टाइम इनपुट दिए। लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने चीन की रणनीति की तुलना प्राचीन चीनी सैन्य सिद्धांत '36 रणनीतियां' से की थी। उन्होंने कहा था कि चीन ने उधार के चाकू से हत्या वाली रणनीति अपनाई और पाकिस्तान को भारत पर दबाव बनाने के लिए इस्तेमाल किया।

पाकिस्तान को फाइटर जेट बेचने की तैयारी में चीन

हाल के दिनों में चीनी मीडिया में यह भी रिपोर्ट सामने आई है कि बीजिंग पाकिस्तान को अपना पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ फाइटर जेट J-35 बेचने पर विचार कर रहा है। एक्सपर्ट्स इसे चीन की रक्षा तकनीक के वैश्विक प्रचार अभियान से जोड़कर देख रहे हैं। पाकिस्तान में मौजूद एक अन्य इंजीनियर शू दा ने J-10CE को बच्चे जैसा बताया। उन्होंने कहा, "हमने इसे तैयार किया, इसकी देखभाल की और फिर यूजर को सौंप दिया। इसके बाद इसने बड़ा परीक्षण झेला।" शू दा ने कहा, "J-10CE के प्रदर्शन ने हमें चौंकाया नहीं।

चीन से हथियारों पर बढ़ी पाकिस्तान की निर्भरता

जानकारी के अनुसार पाकिस्तान ने वर्ष 2020 में चीन से 36 J-10CE फाइटर जेट और 250 PL-15 मिसाइल खरीदने का समझौता किया था। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट में भी कहा गया है कि 2021 से 2025 के बीच पाकिस्तान के लगभग 80 प्रतिशत हथियार आयात चीन से हुए। इसके अलावा पाकिस्तान एयरफोर्स JF-17 फाइटर जेट पर भी काफी निर्भर है। यह लड़ाकू विमान चीन और पाकिस्तान ने संयुक्त रूप से विकसित किया है और इसे पाकिस्तान की प्रमुख सैन्य ताकतों में गिना जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि चीन का यह ताजा स्वीकारोक्ति वाला बयान दक्षिण एशिया की सामरिक राजनीति पर बड़ा असर डाल सकता है।

ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर जयपुर में 7 मई को तीनों सेनाओं की जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई थी।

"भारतीय सेना ने उस समय दावा किया था कि उसने पाकिस्तान के आतंकी मुख्यालयों, एयरबेस और चीनी मूल के रडार सिस्टम को निशाना बनाया था। सेना के अनुसार, इन कार्रवाइयों की वजह से भारत को हवाई बढ़त हासिल करने में मदद मिली। रिपोर्ट के मुताबिक जे-10सीई चीन के आधुनिक जे-10सी फाइटर जेट का एक्सपोर्ट वर्जन है। इसमें एईएसए रडार और एडवांस एयर-टू-एयर मिसाइल सिस्टम लगाए गए हैं। पाकिस्तान को इस सीरीज का एकमात्र विदेशी ऑपरेटर माना जाता है।"

पहलगाम हमले के बाद शुरू हुआ था ऑपरेशन सिंदूर

भारत ने 7 मई 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। इस सैन्य अभियान के दौरान भारत ने पाकिस्तान स्थित आतंकी ढांचों और सैन्य ठिकानों पर कार्रवाई की थी। भारत का आरोप था कि इस पूरे संघर्ष के दौरान चीन अप्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान का समर्थन कर रहा था। वहीं चीन से जुड़े सोशल मीडिया अकाउंट्स और कुछ अधिकारियों ने पाकिस्तान के उन दावों को भी बढ़ावा दिया था।

भारत पहले ही जता चुका था संदेह

भारतीय सेना पहले ही ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन की भूमिका पर सवाल उठा चुकी थी। भारतीय सेना के डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल राहुल सिंह ने जुलाई 2025 में दावा किया था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने पाकिस्तान को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की थी।

चीनी इंजीनियर ने इंटरव्यू में किया खुलासा

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, चीन के सरकारी चैनल CCTV पर प्रसारित एक इंटरव्यू में चेंगदू एयरक्राफ्ट डिजाइन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के इंजीनियर झांग हेंग ने कहा कि उनकी टीम पाकिस्तान को तकनीकी सहयोग दे रही थी।

अमेरिका-ईरान के हमले में गुजरात का जहाज डूबा

एक भारतीय की मौत, 17 क्रू मेंबर्स को बचाया, दुबई से यमन जा रहा था

दुबई/द्वारका, एजेंसी

ईरान और अमेरिका की नेवी के बीच बीती रात हॉर्मुज स्ट्रेट में हुई फायरिंग की चपेट में गुजरात का एक मालवाहक जहाज डूब गया। यह जहाज गुजरात के द्वारका जिले के सलाया का था। हादसे में जहाज के इंजन रूम में काम कर रहे अल्ताफ तालब केर नाम के भारतीय क्रू की मौत हो गई, जबकि बाकी 17 क्रू को बचा लिया गया। इंडियन सेलिंग वेसल्स एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी आदम भाई ने से बात करते हुए इसकी जानकारी दी। आदम भाई ने दुबई स्थित भारतीय दूतावास को ईमेल भेजकर मदद भी मांगी है। मालवाहक जहाज MSV AL फैज नूरे सुलेमानी-I दुबई से कार्गो लेकर यमन के मुकाला बंदरगाह जा रहा था। जहाज पर एक गनमैन समेत कुल 18 क्रू सवार थे। आदम भाई के मुताबिक

7 मई की सुबह करीब एक बजे जहाज हॉर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहा था। इसी दौरान ईरान और अमेरिकी नेवी के बीच आमने-सामने फायरिंग शुरू हो गई। क्रॉस फायरिंग में गुजरात का यह जहाज भी चपेट में आ गया। फायरिंग से जहाज को भारी नुकसान पहुंचा और उसमें पानी भरने लगा। इससे जहाज डूबने लगा। इसी दौरान इंजन रूम में मौजूद अल्ताफ तालब केर गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। जहाज डूबने के बाद क्रू ने खुद को बचाने की कोशिश शुरू की। उसी समय पास से गुजर रहे दूसरे जहाज MSV प्रेम सागर-I ने मदद की।

अमेरिका ने वेनेजुएला का हाईली एनरिच्ड यूरेनियम निकाला

13.5 किलो न्यूक्लियर मटेरियल वॉशिंगटन लाया गया

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका ने वेनेजुएला से 13.5 किलो हाईली एनरिच्ड यूरेनियम हटाया है। यह यूरेनियम कई साल से वहां के एक पुराने रिसर्च रिएक्टर में रखा था। अमेरिका ने शुक्रवार को बताया कि यूरेनियम को कराकास के पास मौजूद साइट से हटाया गया और फिर सुरक्षित तरीके से अमेरिका भेजा गया। यह ऑपरेशन अमेरिका, वेनेजुएला, ब्रिटेन और IAEA ने मिलकर किया। US डिपार्टमेंट ऑफ एनर्जी के मुताबिक यूरेनियम को जमीन और समुद्र के रास्ते अमेरिका पहुंचाया गया। इसे अब साउथ कैरोलाइना के सवाना रिवर परमाणु साइट में प्रोसेस किया जाएगा। अमेरिकी एजेंसी नेशनल न्यूक्लियर सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेशन (NNSA) ने कहा कि यह ऑपरेशन दक्षिण अमेरिका और US की सुरक्षा के लिए अहम है। एजेंसी के मुताबिक वेनेजुएला का RV-1

रिसर्च रिएक्टर कई दशक तक न्यूक्लियर रिसर्च के लिए इस्तेमाल होता था। 1991 में रिसर्च बंद होने के बाद भी वहां हाईली एनरिच्ड यूरेनियम रखा रहा। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक यह काम छह हफ्तों से भी कम समय में पूरा हुआ। यूरेनियम को खास कंटेनर में पैक किया गया। इसके बाद करीब 100 मील सड़क के रास्ते बंदरगाह तक ले जाया गया। वहां से ब्रिटेन की न्यूक्लियर ट्रांसपोर्ट सॉल्यूशंस कंपनी के जहाज से अमेरिका भेजा गया। NNSA के डिप्टी एडमिनिस्ट्रेटर डॉ. मैट नेपोली भी इस मिशन की निगरानी के लिए वेनेजुएला पहुंचे थे।

फास्ट न्यूज

साबुन-बिस्किट से लेकर तेल तक सब महंगा होगा

नई दिल्ली। FMCG सेक्टर की दिग्गज कंपनी डाबर इंडिया ने अपने प्रोडक्ट्स की कीमतें बढ़ाने के संकेत दिए हैं। कंपनी का कहना है कि पैकेजिंग मटेरियल की बढ़ती कीमतों और मिडिल-ईस्ट में तनाव बढ़ने के कारण इनपुट कॉस्ट बढ़ गई है। डाबर के अलावा हिंदुस्तान यूनिलीवर (HUL) और नेस्ले जैसी कंपनियां भी महंगाई के दबाव का सामना कर रही हैं। ऐसे में आपके घर का बजट बिगड़ सकता है।

कनाडा को छोड़ अलग देश बन सकता है अल्बर्टा

ओटावा। कनाडा के पश्चिमी प्रांत अल्बर्टा को अलग देश बनने की मांग और ज्यादा तेज हो गई है। अलगाववादियों ने बुधवार को दावा किया है कि उन्होंने इतना समर्थन जुटा लिया है कि अब स्वतंत्रता पर जनमत संग्रह (रेफरेंडम) कराया जा सकता है। अलगाववादी नेताओं के मुताबिक, उन्होंने करीब 3 लाख हस्ताक्षर चुनाव अधिकारियों को सौंपे हैं, जबकि इसके लिए 1.78 लाख दस्तखत की जरूरत थी। आंदोलन के नेता मिच सिलवेस्ट्रे ने इसे ऐतिहासिक दिन बताया और कहा कि अब यह लड़ाई अगले चरण में पहुंच गई है।

एसबीआई का मुनाफा 5.5% बढ़कर 19,684 करोड़

मुंबई। देश के सबसे बड़े सरकारी लेंडर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) को वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 19,684 करोड़ रुपए का स्टैंडअलोन मुनाफा हुआ। सालाना आधार पर यह 5.58% बढ़ा है। पिछले साल की समान तिमाही में SBI को 18,642 करोड़ का मुनाफा हुआ था। जनवरी-मार्च (Q4FY26) तिमाही में स्टेट बैंक की टोटल इनकम 1.40 लाख करोड़ रुपए रही। पिछले साल की समान तिमाही में यह 1.44 लाख करोड़ रुपए थी।

एअर इंडिया वीपी लेवल के अफसरों की सैलरी काटेगी

ईरान युद्ध के कारण 20% उड़ानें रद्द करने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी

टाटा ग्रुप की एयरलाइन कंपनी एअर इंडिया अपनी लागत घटाने के लिए कर्मचारियों की सैलरी में कटौती और उड़ानों की संख्या करीब 20% कम कर सकती है। वर्तमान में एयरलाइन हर दिन करीब 900 उड़ानों का संचालन करती है। कंपनी मिडिल ईस्ट युद्ध के कारण जेट फ्यूल महंगा होने से ऑपरेटिंग कॉस्ट बढ़ने की वजह से यह कदम उठाने की तैयारी कर रही है। बता दें कि एयरलाइन पहले से ही घाटे में है और अपने नए CEO की तलाश कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गुरुवार को हुई बोर्ड बैठक में एयर इंडिया ने नॉन-टेक्निकल कर्मचारियों को छुट्टी पर भेजने और वाइस प्रेसिडेंट या उससे ऊपर के स्तर के अधिकारियों की सैलरी में कटौती करने पर चर्चा की। इसके

अलावा, सभी कर्मचारियों के बोनस में भी कमी की जा सकती है। एअर इंडिया भारत की दूसरी सबसे बड़ी एयरलाइन है और इन बदलावों की आधिकारिक घोषणा जल्द हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक, एयर इंडिया के बोर्ड ने मिडिल ईस्ट में युद्ध के कारण पैदा हुए हालातों को देखते हुए फ्लाइट ऑपरेशंस में कटौती का प्रस्ताव रखा है। अगले 90 दिन तक एयरलाइन अपनी उड़ानों की क्षमता को 20% से ज्यादा कम कर सकती है। यह फैसला तब तक लागू रहेगा, जब तक कि मिडिल ईस्ट की स्थिति में सुधार नहीं हो जाता।

अमेरिका ने यूएफओ से जुड़ी फाइलें जारी कीं

चांद पर रहस्यमयी वस्तुएं दिखने का दावा, अंतरिक्ष यात्री बोले- बाहर आतिशबाजी जैसा नजारा

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में शुक्रवार को लंबे समय से चर्चा में रही UFO फाइलों की पहली खेप जारी कर दी गई। ट्रम्प प्रशासन ने सैकड़ों नए वीडियो, फोटो और पुराने सरकारी रिकॉर्ड सार्वजनिक किए। इन फाइलों में सबसे ज्यादा चर्चा NASA के अपोलो मिशन से जुड़ी तस्वीरों और अंतरिक्ष यात्रियों की बातचीत को लेकर हो रही है। जारी दस्तावेजों में NASA के अपोलो 12 और अपोल 17 मिशन से जुड़ी तस्वीरें और बातचीत के रिकॉर्ड भी शामिल हैं। एक तस्वीर में चांद की सतह के ऊपर आसमान में तीन रहस्यमयी बिंदु दिखाई देने का दावा किया गया है। सबसे दिलचस्प हिस्सा अपोलो 17 मिशन का ट्रांसक्रिप्ट माना जा रहा है। इसमें अंतरिक्ष यात्री उड़ान के दौरान अंतरिक्ष यान के पास चमकती चीजें दिखने की बात करते सुनाई दे रहे हैं। एक ऑपरेटर ने

मिशन कंट्रोल से कहा, "कुछ चमकते कण या टुकड़े हमारे पास से गुजरते दिख रहे हैं।" इसके जवाब में दूसरे ऑपरेटर ने कहा, "मेरी खिड़की के बाहर कई चमकती चीजें दिख रही हैं। ऐसा लग रहा है जैसे आतिशबाजी हो रही हो।" पेंटागन की पिछली रिपोर्टों में भी कहा गया था कि कई UFO वीडियो और तस्वीरें बाद में सैन्य तकनीक या प्राकृतिक घटनाएं निकली थीं। नई UFO फाइलों में ओमान की खाड़ी के ऊपर दिखी एक रहस्यमयी वस्तु की तस्वीर सामने आई है। दावा किया गया है कि 2024 में इंफ्रारेड सेंसर ने तेज रफ्तार से उड़ती बूंद जैसी इस वस्तु को रिकॉर्ड किया था।

"अमेरिकी सांसदों ने कहा है कि शुक्रवार को जारी दस्तावेज सिर्फ शुरुआत हैं। आने वाले समय में और रिकॉर्ड सार्वजनिक किए जाएंगे। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि सरकार यूएफओ मामलों में ज्यादा पारदर्शिता लाना चाहती है। कि जनता को ज्यादा से ज्यादा जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी ताकि लोग खुद तय कर सकें कि इन घटनाओं का क्या मतलब है।

ट्रम्प ने यूएफओ से जुड़ी फाइलें जारी करने का आदेश दिया था

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कुछ महीने पहले रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को UFO और कथित एलियन गतिविधियों से जुड़े रिकॉर्ड जारी करने का आदेश दिया था। फाइलें जारी होने के बाद ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि उन्होंने सरकार की एजेंसियों को एलियन लाइफ, UFO और UAP से जुड़ी जानकारी जनता के सामने रखने को कहा था। इन फाइलों के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर UFO और एलियन जीवन को लेकर बहस तेज हो गई है। हालांकि अमेरिकी सरकार पहले भी साफ कर चुकी है कि उसे अब तक एलियन जीवन या एलियन टेक्नोलॉजी का कोई पक्का सबूत नहीं मिला है।

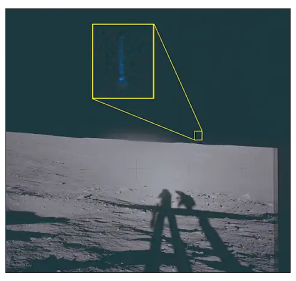

सैन्य विमानों के पास दिखीं रहस्यमयी वस्तुएं

पेंटागन की तरफ से जारी दस्तावेजों में 1999 के नए साल से एक दिन पहले FBI की ओर से ली गई कुछ तस्वीरें भी शामिल हैं। इनमें अमेरिकी सैन्य विमानों के पास कुछ रहस्यमयी वस्तुएं दिखाई देने का दावा किया गया है। इसके अलावा सैन्य पायलटों की ली गई तस्वीरें भी जारी की गई हैं, जिनमें तेज रफ्तार से उड़ती चीजें विमानों के पास से गुजरती दिखती हैं।

चांदी इस हफ्ते ₹15,269 महंगी, ₹2.56 लाख पहुंची

सोना ₹815 बढ़कर ₹1.51 लाख का हुआ, इस साल ₹17,883 बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

इस हफ्ते 1 किलो चांदी के दाम 15,269 रुपए बढ़कर 2.56 लाख रुपए पहुंच गए हैं। इससे पहले ये बीते हफ्ते यानी 30 अप्रैल को 2.40 लाख रुपए पर थी। वहीं, सोने के दाम में सिर्फ 815 की बढ़ोतरी हुई। 30 अप्रैल को 10 ग्राम सोना 1.50 लाख रुपए पर था, जो बढ़कर 1.51 रुपए पर पहुंच गया है। ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटीः एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं। खरीदारी की मात्राः दक्षिण भारत में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं, लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है। लोकल ज्वेलरी एसोसिएशनः राज्य और

शहर के ज्वेलरी एसोसिएशन स्थानीय मांग-सप्लाई के आधार पर रेट तय करते हैं। पुराना स्टॉक और खरीद मूल्यः ज्वेलर्स का खरीदी रेट तय करता है कि वे ग्राहकों को कितनी कीमत में बेचेंगे। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 17,883 रुपए और चांदी 25,180 रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.51 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.56 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था। सरकार ने हाल ही में सोने-चांदी और प्लैटिनम के गहनों को 'फ्री' कैटेगरी से हटाकर 'रिस्ट्रिक्टेड' कैटेगरी में डाल दिया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (DGFT) के मुताबिक, अब इन कीमती धातुओं से बनी ज्वेलरी किसी भी देश से मंगाने के लिए सरकार से विशेष लाइसेंस लेना होगा। सरकार ने यह कदम फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए उठाया है अब तक थाईलैंड जैसे देशों से कम टैक्स पर सस्ते गहने आते थे।

यूपीआई-एटीएम के जरिए इसी महीने से निकाल सकेंगे पीएफ

7.8 करोड़ सब्सक्राइबर्स को तुरंत पैसा मिलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

Employees' Provident Fund Organisation यानी EPFO जल्द ही अपने करोड़ों खाताधारकों को बड़ी सुविधा देने जा रहा है। अब कर्मचारी भविष्य निधि (PF) का पैसा निकालने के लिए लंबी प्रक्रिया और कागजी कार्रवाई की जरूरत नहीं पड़ेगी। EPFO मई 2026 के अंत तक ATM और UPI के जरिए PF फंड निकालने की सुविधा शुरू करने की तैयारी कर रहा है। इस नई व्यवस्था के लागू होने के बाद करोड़ों कर्मचारियों को अपने PF खाते से पैसा निकालने में काफी आसानी होगी। EPFO की इस पहल को "EPFO 3.0" नाम दिया गया है, जिसके तहत सिस्टम को पूरी तरह डिजिटल और यूजर

फ्रेंडली बनाया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक EPFO की इस नई सुविधा का लाभ करीब 7.8 करोड़ सब्सक्राइबर्स को मिलेगा। खाताधारक बिना किसी दफ्तर के चक्कर लगाए सीधे ATM या UPI के जरिए अपने PF खाते से पैसा निकाल सकेंगे। अभी PF निकासी के लिए कर्मचारियों को ऑनलाइन आवेदन, सत्यापन और कई स्तर की प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। कई बार इसमें लंबा समय भी लग जाता है। लेकिन नई व्यवस्था लागू होने के बाद फंड ट्रांसफर की प्रक्रिया काफी तेज और आसान हो जाएगी। EPFO 3.0 पहल के जरिए संगठन अपने डिजिटल सिस्टम को आधुनिक बनाने पर काम कर रहा है। इसका उद्देश्य PF सेवाओं को ज्यादा सरल, तेज और पारदर्शी बनाना है। नई व्यवस्था के तहत ऑटो-क्लेम सेटलमेंट की सुविधा भी दी जाएगी। यानी कई मामलों में कर्मचारियों के दावे स्वतः मंजूर होकर राशि सीधे खाते में ट्रांसफर हो जाएगी। इसके अलावा कर्मचारी अपनी पसंद के बैंक खाते में सीधे PF राशि प्राप्त कर सकेंगे। जानकारी के अनुसार यह सिस्टम चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा और 2026 के मध्य तक इसे पूरी तरह शुरू कर दिया जाएगा।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96